04 - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'स्वर्ण युग'

05 - स्वच्छ शहर की गंदी व्यवस्था और भंग शांति

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 28 जनवरी, 2025

06 - जिले में हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

07 - उम्र बढ़ने के साथ साथ समाज के बदलते संबोधन

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 118, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

'लोकरंग'

भोपाल में हो रहे 'लोकरंग' उत्सव में सोमवार को चालीस वाद्ययंत्रों की एक साथ प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। छाया-प्रवीण वाजपेयी

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

सब जिनके लिए झोलियां फैलाए हुए हैं
वो रंग मेरी आंख के ठुकराए हुए हैं
इक तुम हो कि शोहरत की हवस ही नहीं जाती
इक हम हैं कि हर शोर से उकताए हुए हैं
दो चार सवालात में खुलने के नहीं हम
ये उक़दे तेरे हाथ के उलझाए हुए हैं
अब किसके लिए लाए हो ये चांद सितारे
हम ख्वाब की दुनिया से निकल आए हुए हैं
हर बात को बेवजह उदासी पे ना डालो
हम फूल किसी वजह से कुम्हलाए हुए हैं
कुछ भी तेरी दुनिया में नया ही नहीं लगता
लगता है कि पहले भी यहां आए हुए हैं
है देखने वालों के लिए और ही दुनिया
जो देख नहीं सकते वो घबराए हुए हैं
सब दिल से यहां तेरे तरफ़दार नहीं हैं
कुछ सिर्फ़ मिरे बुग़्ज़ में भी आए हुए हैं।

- फ़रीहा नक़वी

एनसीसी की सालाना रैली में शामिल हुए पीएम मोदी, कहा -

भारत के युवा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि फोर्स फॉर ग्लोबल गुड हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को एनसीसी की सालाना रैली में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा- भारत के युवा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि फोर्स फॉर ग्लोबल गुड हैं।

आज दुनिया इस बात को मान रही है। आप 21वीं सदी में भारत और दुनिया के विकास की दिशा तय करने वाले हैं। भारत के युवाओं के बिना दुनिया के भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती।

करिअप्पा परेड ग्राउंड में पीएम मोदी ने कहा- गणतंत्र दिवस परेड में सेलेक्ट होना उपलब्धि है, लेकिन इस बार की परेड थी। ऐसा इसलिए क्योंकि इस साल हमारे गणतंत्र ने 75 साल पूरे किए हैं।

इस अमृतकाल में हमें एक ही लक्ष्य रखना है- विकसित भारत। हमारे हर फैसले, हर काम की कसौटी विकसित भारत ही होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसके लिए पंच प्राणों को हमेशा याद रखने की बात कही।

मोदी बोले- बार-बार चुनाव होने से पढ़ाई प्रभावित होती है

एक देश एक चुनाव पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर चल रही बहस भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अहम है। युवाओं को इस चर्चा में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए क्योंकि यह आपके भविष्य से जुड़ा है। भारत के भविष्य की राजनीति को आकार देने के लिए इस बहस में भाग लेना जरूरी है। उन्होंने कहा- आजादी के बाद लंबे समय तक केंद्र और राज्य चुनाव साथ होते रहे, लेकिन फिर ये पैटर्न टूट गया। इससे देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। हर चुनाव में वोटिंग लिस्ट अपडेट होती है, बहुत सारे काम होते हैं। इसमें अक्सर हमारे टीचर्स की ड्यूटी लगती है। इस वजह से पढ़ाई प्रभावित होती है। बार-बार चुनाव होने से गवर्नेंस में भी मुश्किलें आती हैं। मोदी ने कहा कि 2014 में देश में एनसीसी कैडेट्स की संख्या करीब 14 लाख थी।

महाकुंभ में धर्म संसद

वर्शिप एक्ट खत्म करने की मांग, पीएम से सनातन बोर्ड बनाने की अपील

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में सोमवार को हुई धर्म संसद में पीएम से सनातन बोर्ड बनाने की मांग की गई। 13 अखाड़े और सभी 4 शंकराचार्य इसमें शामिल नहीं हुए। धर्म संसद में जगदुरु विद्या भास्कर ने पीएम मोदी से संसद में वर्शिप एक्ट को खत्म करने की मांग की। उन्होंने कहा- हम इस संबंध में सरकार को मांगपत्र भी भेज रहे हैं। नारा दिया गया- संभल, मथुरा, विश्वनाथ, तीनों लेंगे एक साथ। जगदुरु विद्या भास्कर ने पीएममोदी से मांग करते हुए कहा- संसद में वर्शिप एक्ट को ध्वस्त कर दीजिए।अयोध्या से आए वल्लभदास महाराज ने नारा दिया- रामलला हम आएंगे, मंदिर हर जगह बनाएंगे। धर्म संसद में करीब 5 हजार साधु-संत और भक्त मौजूद हैं। जगदुरु श्रीजी महाराज, जगदुरु विद्या भास्कर, जगदुरु वल्लभाचार्य, चिन्मयानंद बापू, साध्वी प्राची, महंत राजू दास, साध्वी सरस्वती, जगदुरु सूर्याचार्य आदि मौजूद हैं।

क्या है वर्शिप एक्ट, जिसे खत्म करने की मांग की गई

वर्शिप एक्ट के अनुसार, 15 अगस्त 1947 से पहले जो धार्मिक स्थल जिस रूप में था या है, वह उसी रूप में रहेगा। उसे नहीं बदला जा सकेगा।

अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी

● 20 लाख रामभक्त पहुँचे, भीड़ में फंसकर 2 मौत

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। सोमवार को करीब 20 लाख श्रद्धालु हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं। राम मंदिर के आसपास की हर गली, चौराहा राम भक्तों से पट गया है। जिधर देखो लोगों का हुजूम नजर आ रहा है। कल मौनी अमावस्या को देखते हुए ये भीड़ और भी बढ़ सकती है। दोपहर करीब 12 बजे रामलला के दर्शनार्थियों की कतार में

एक महिला गिर पड़ी। पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, मगर उनकी सांसें थम चुकी थीं। पुलिस के मुताबिक, महिला की मौत हार्ट अटैक से हुई है। ऐसा भीड़ की वजह से भी हो सकता है। महिला की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी विमला (60) के रूप में हुई। जबकि नया घाट पर भीड़ में एक पुरुष मौत हो गई। उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

दरअसल, प्रयागराज महाकुंभ से लौटने वाले श्रद्धालु अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। इस कारण हनुमान गढ़ी और राम मंदिर की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर भारी भीड़ है। बीते दिन गणतंत्र दिवस की छुट्टी थी, उसमें में काफी लोग अयोध्या आए थे।

काशी में 15 लाख लोग, कमिश्नर-एएसपी सब सड़क पर उतरे

काशी में भी 15 लाख श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे हैं। मंदिर परिसर, गलियां और गंगा के घाट सब कुछ हाउस फुल है। कमिश्नर और एएसपी समेत पूरा अमला सड़क पर हैं। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आधी रात से लाइन में खड़े हो गए। रेलिंग और बैरिकेडिंग के सहारे रात गुजारी। सुबह 2.45 बजे कपाट खुलने के बाद दर्शन शुरू हुए। दोपहर 2 बजे तक पूरी काशी का क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम फेल हो गया।

दुनिया को युद्ध की नहीं, महात्मा बुद्ध के शांति मार्ग की जरूरत है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री 9वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में हुए शामिल, विश्व शांति का दिया संदेश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध के बताये ज्ञान पर अमल की जरूरत है। भगवान बुद्ध का मार्ग ही विश्व शांति का मार्ग है। यह मार्ग हमें मन की शांति, करूणा, प्रेम, अपनत्व और विश्व बंधुत्व की ओर ले जाता है। मुख्यमंत्री ने बुद्ध के विचारों और शिक्षाओं को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि उनका संदेश दुनिया में शांति और सद्भाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल के चूना भट्टी क्षेत्र में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने आयोजकों द्वारा चयनित विभूतियों को 'अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार' प्रदान किया तथा महोत्सव पर आधारित 'स्मारिका' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक महोत्सवों से समाज में भाईचारे और सामाजिक सौहार्द्र के संदेश का प्रसार होता है। बौद्ध महोत्सव में देश-विदेश से आए बौद्ध विद्वानों और अनुयायियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बौद्ध दर्शन और उसके माध्यम से विश्व शांति की स्थापना को बढ़ावा देना था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समाज में समरसता लाने के लिए बुद्ध का बताया मार्ग सर्वश्रेष्ठ है। हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सरकार बौद्ध समाज के साथ मिलकर विकास के कार्य करेगी। बौद्ध समाज की मांग पर मुख्यमंत्री ने चूना भट्टी स्थित स्थल को स्थायी बौद्ध भूमि घोषित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हम सब एक हैं और सब मिलकर इस पवित्र बौद्ध भूमि का विकास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को सदैव ही सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहेब की जन्म स्थली, उनके अध्ययन स्थल, उनकी दीक्षा भूमि, चैत्य स्थल और महानिर्वाण स्थल का विकास कर इन्हें पंच महातीर्थ की संज्ञा दी है। हमारी सरकार महात्मा गौतम बुद्ध और बाबा साहेब के बताए शांति मार्ग पर चलकर समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। हमने 24 जनवरी को हुई कैबिनेट मीटिंग में महू स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में विधि संकाय प्रारंभ करने के लिए 25 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार प्रदान किए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोजकों द्वारा चयनित विभूति उनको अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार 2025 प्रदान किए। मुंबई के डॉ. सागर जोशी, थाईलैंड से आये डॉ. पोंचाई पिन्यापोंग, बोध गया (लाओस) से आये श्री जक्साना, वियतनाम से आये डॉ. थिच जियक लाम, थाईलैंड में आयीं डॉ मिथिला चौधरी, श्री संजय गनवीर, श्रीमती रश्मि पांडे, श्री विजय खातरकर, श्री गौरव कठाने, श्री राजेन्द्र प्रसाद सहित अन्य विभूतियों को यह पुरस्कार दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार प्राप्त विभूतियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाले अन्य नागरिकों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश भाजपा में पदाधिकारी श्री राहुल कोठारी, नगर निगम अध्यक्ष भोपाल श्री किशन सूर्यवंशी, भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो सहित धम्मदूत संघ, बुद्ध भूमि महाविहार मोनेस्ट्री के अन्य पदाधिकारीगण, समाजजन एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक गण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने इंदौर में सफाई मित्रों को चरण पादुकाएं पहनाईं

इंदौर में जन कल्याण पर्व पर सीएम मोहन यादव ने सफाई कर्मी को पहनाए जूते

इंदौर (नप्र)। जन कल्याण पर्व के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में सफाई कर्मियों को

जूते पहनाए, इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में हमारी सरकार ने उनकी जन्मभूमि को तीर्थ का दर्जा दिया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार,28 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पीएम मोदी के सुशासन और समता मूलक समाज की अवधारणा पर देश बढ़ रहा है आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जन कल्याण अभियान में चिन्हित हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सुशासन और समता मूलक समाज पर देश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए 63 प्रकार की विभिन्न योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, गरीबी रेखा राशन के लाभ उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार के प्रतिनिधि घर-घर पहुंच रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए पुनः सर्वे कराया जा रहा है। राज्य सरकार 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर विश्वास करती है और हर गरीब का जीवन बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनकल्याण अभियान के समापन पर इंदौर के गांधी नगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में इंदौर और उज्जैन संभाग के हितग्राही और नागरिक शामिल हुए। राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 11 दिसम्बर, 2024 से 26 जनवरी 2025 तक प्रदेश में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया गया। इसमें हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में आए नागरिकों का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया ,कहा -

2020 में किए वादे सरकार बनने पर पूरे करेंगे दिल्ली के लिए 15 चुनावी गारंटियां दीं

● दिल्ली की सड़कों-यमुना पर माफी मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को दिल्ली के लिए पार्टी की 15 गारंटियों का ऐलान किया। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 2020 में किए यमुना की सफाई, यूरोप की तरह दिल्ली की सड़कें और पानी की सप्लाई का वादा पूरा नहीं कर पाने पर माफी भी मांगी।

केजरीवाल ने कहा, आज कबूल कर रहा हूं कि पिछले 5 साल में ये वादे पूरे नहीं कर पाए। ढाई साल कोरोना चला, इसके बाद उन्होंने (केंद्र सरकार) जेल-जेल का खेल खेला। मेरी सारी टीम बिखर गई, लेकिन अब हम सारे जेल से बाहर आ गए हैं। मेरा सपना है कि दिल्ली में तीनों काम हों। अगले 5 साल में ये काम हम पूरे करेंगे। हमारे पास फंड भी है और इसके लिए प्लान भी है।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास

भारत के लिए टेस्ट में आईसीसी के इस अवॉर्ड को पाने वाले पहले तेज गेंदबाज

दुबई/नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड में धूम मच गई है। बुमराह को घरेलू और विदेशी धरती पर दमदार प्रदर्शन के लिए साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। उन्होंने पिछले साल 13 टेस्ट मैचों में 71 विकेट हासिल किए। उनकी इस शानदार खेल के लिए उन्हें आईसीसी ने साल का सर्वश्रेष्ठ मेंस टेस्ट क्रिकेटर चुना गया है। बुमराह आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ ईयर का अवॉर्ड पाने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज भी बने हैं।

स्कूल में खीर-पुड़ी और हलवा खाया, 40 बच्चे बीमार

खंडवा में फूड पॉइजनिंग, अस्पताल में बेड कम पड़े, जमीन पर लिटाकर किया इलाज

खंडवा (नप्र)। खंडवा में गणतंत्र दिवस पर स्कूल में खीर-पुड़ी और हलवा खाने के बाद 40 से ज्यादा बच्चे बीमार पड़ गए। उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायतें होने लगी। बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां बेड कम पड़ गए तो जमीन पर लिटाकर इलाज करना पड़ा। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चों को फूड पॉइजनिंग हुई है।

मामला हरसूद क्षेत्र के कसरावद गांव में रविवार सुबह का है। स्कूल में 10 बजे झंडा फहराने के बाद प्राइमरी, मिडिल और आंगनवाड़ी के बच्चों को खाना परोसा गया था। शाम 6 बजे के करीब एक-एक कर के बच्चे बीमार पड़ने लगे।

25 बच्चे अभी भी अस्पताल में भर्ती- गांववालों ने बीमार बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। शुरुआत में 15 बच्चों को प्राथमिक इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया था। शाम को इनकी संख्या बढ़ने पर अस्पताल में बेड कम पड़ गए। इसके बाद जमीन पर बेड लगाने पड़े। 25 बच्चों का इलाज अभी भी जारी है।

स्व-सहायता समूह ने बनाया था भोजन- पंचायत सचिव अमरदास राजपूत ने बताया कि सुबह झंडावंदन के बाद सहभोज आयोजित किया था। मध्यान्ह भोजन का संचालन करने वाले स्व-सहायता समूह के माध्यम से बच्चों को भोजन वितरित किया गया था। मेन्यू में सब्जी-पुड़ी, खीर और मिठाई में हलवा था।

डॉक्टर ने कहा- किसी की हालत गंभीर नहीं- हरसूद अस्पताल के सीनियर डॉक्टर आशीष राज मिश्रा का कहना है कि 40 बच्चे एडमिट हुए हैं, सभी को उल्टी की शिकायत हैं। ऐसा फूड पाइजनिंग से हो सकता है, हालांकि यह जांच का विषय है। बाकी किसी भी बच्चे की हालत क्रिटिकल नहीं हैं। इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज भी किया जा रहा हैं।

सरपंच ने दूध में गड़बड़ी की संभावना जताई- सरपंच संजय पटेल का कहना है कि गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम के बाद स्कूल में बच्चों के साथ स्टाफ और जनप्रतिनिधियों ने भी भोजन किया था। हालांकि, फूड पॉइजनिंग सिर्फ प्राइमरी और आंगनबाड़ी के बच्चों को हुई। इनमें भी जिन बच्चों ने खीर खाई है, उन्हें ही उल्टियां हुई। आशंका है कि खीर के दूध में गड़बड़ी थी।

जबलपुर में चार की हत्या

जुआ खेलने से रोकने पर किया चाकू, लाठी-डंडों से हमला, दो की हालत गंभीर

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के तिमरी गांव में चार लोगों की हत्या कर दी गई। दो गंभीर घायल हैं, जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

पाटन पुलिस के अनुसार, नूनसर इलाके के तिमरी गांव में दो परिवारों के बीच जुआ खेलने से रोकने पर विवाद चल रहा था। सोमवार सुबह इनमें से एक पक्ष के लोग गांव की ही दुकान पर चाय पी रहे थे। इसी दौरान जुआ खेलने के आरोपी परिवार ने उन पर चाकू, लाठी और डंडों से हमला कर दिया।

एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने कहा कि मृतकों में दो सगे भाई- कुंदन पाठक (35), चंदन पाठक

(29) समेत उनके चचेरे भाई समीर (19) और अनिकेत दुबे (26) शामिल हैं। विपिन और छोटू घायल हैं। पाटन विधायक अजय विश्नोई, कलेक्टर दीपक सक्सेना और एसपी संपत उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे।

कुंदन और चंदन के पिता गणेश पाठक ने कहा, कालू साहू ने हमारे बेटों को बुलाया। जैसे ही वे गाड़ी से उतरे, पप्पू साहू, दिन्नु साहू, संजू साहू, मनोज साहू सहित अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया। पाठक ने आगे कहा-हमने जुआ खेलने से मना किया था। इसको लेकर थाने में शिकायत भी की थी।

अमित शाह ने महाकुंभ में डुबकी लगाई

● अक्षयवट के दर्शन किए, संतों के साथ भोजन किया, योगी को रामदेव ने योग कराया

प्रयागराज (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को महाकुंभ पहुंचे और डुबकी लगाई। उनके साथ सीएम योगी, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि और योग गुरु बाबा रामदेव ने भी संगम में स्नान किया। योगी और संतों ने शाह पर पानी डाला। करीब 10 मिनट तक संगम स्नान किया। शाह को संतों ने मंत्रोच्चार के बीच आचमन कराया। इस दौरान सीएम योगी ने रामदेव के साथ योग किया। स्नान के बाद शाह ने संगम पर परिवार के साथ पूजा की। इसके बाद शाह अक्षयवट पहुंचे। यहां से स्वामी अवधेशानंद के आश्रम में पहुंचे और भोजन किया। शाह के साथ उनके बेटे जय शाह भी परिवार के साथ हैं। शाह का विमान सुबह साढ़े 11 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। शाह वहां से हेलिकॉप्टर से दिल्ली पब्लिक स्कूल पहुंचे। फिर कार से अरैल घाट गए। स्टीमर से वीआईपी घाट पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी और संत भी उनके साथ रहे। शाह ने पक्षियों को दाना खिलाया।

शाह ने अक्षयवट के दर्शन किए- संगम स्नान और पूजन के बाद अमित शाह अक्षयवट पहुंचे। परिवार भी उनके साथ रहा। शाह ने अक्षयवट की पूजा अर्चना की। अक्षयवट संगम के पास अकबर के किले में है। योगी सरकार ने महाकुंभ से पहले इसका रेनोवेशन कराया है।

सैफ अली खान पर हमला मामले में नया मोड़, बंगाल से महिला गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने बंगाल के नदिया जिले में तलाशी अभियान चलाया और अभिनेता सैफ अली खान पर हमला मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में पता चला है कि हमले के लिए मुंबई में पूर्व में गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिक द्वारा इस्तेमाल किया गया सिम महिला के नाम पर पंजीकृत था। दरअसल, मुंबई पुलिस की दो सदस्यीय टीम बंगाल पहुंची और सैफ अली पर हमला मामले में जिले के चापड़ा से एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला का नाम खुखुमोनी जहांगीर शेख है और वह गिरफ्तार बांग्लादेशी शरीफुल फकीर की परिचित है।

पंजाब में अंबेडकर की मूर्ति खंडित, दलित समाज गुस्साया

अमृतसर में भंडारी पुल बंद किया, दुकानें भी बंद, आरोपी की मां बोली- हमसे बात नहीं करता

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में रविवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर एक युवक ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ने की कोशिश की। युवक ने प्रतिमा पर हथौड़े से वार किए। उसने प्रतिमा के पास रखी संविधान की मूर्ति को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। लोगों ने पकड़कर युवक को पीट दिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना हेरिटेज स्ट्रीट पर थाने से करीब 150 मीटर की दूरी पर हुई। आरोपी की पहचान मोगा के धर्मकोट निवासी आकाशदीप के रूप में हुई है।

संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब की जन्मस्थली में आकर उन्हें प्रणाम करना सौभाग्य की बात : सीएम

मुख्यमंत्री ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) पहुंचे। यहां उन्होंने संविधान निर्माता (बाबा साहेब) डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 26 जनवरी गणतंत्र दिवस हमारे लिये सबसे बड़ा त्यौहार है। बाबा साहेब के कारण ही हमारा गणतंत्र दुनिया में पहली बार

जाना और पहचाना गया। बाबा साहेब की जन्मस्थली पंच तीर्थों में से एक प्रमुख स्थल है। आज गणतंत्र दिवस के शुभ दिन पर संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब की जन्मस्थली में आकर उन्हें प्रणाम करना सौभाग्य की बात है। यहाँ आना तीर्थ आने के बराबर है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार और विधायक सुश्री उषा ठाकुर एवं अन्य जन प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गण भी मौजूद थे।

उत्तराखंड यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला पहला राज्य बना

सीएम धामी बोले- हलाला, एक से ज्यादा शादियों, तीन तलाक पर पूरी तरह रोक लगेगी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) सोमवार से लागू हो गया है। मुख्यमंत्री आवास में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इसका ऐलान किया। यह कार्यक्रम सीएम आवास के मुख्य सेवक सदन में आयोजित किया गया।

सीएम धामी ने कहा कि हमने 3 साल पहले जनता से किए गए वादे को पूरा किया। यूसीसी किसी धर्म या वर्ग के खिलाफ नहीं है। इसका उद्देश्य किसी को टारगेट करना नहीं है। सभी को समान अधिकार देना है। 27 जनवरी का दिन समान नागरिकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

धामी ने कहा कि यूसीसी लागू होने से हलाला, बहुविवाह, तीन तलाक पर पूरी तरह रोक लगेगी। इस दौरान धामी ने समान नागरिक संहिता उत्तराखंड- 2024 को लागू किए जाने पर नियमावली और पोर्टल का लोकार्पण किया।

जीडीपी बोले- हम पूरी तरह तैयार

उत्तराखंड के डीजीपी दीपम सेठ ने कहा कि हम नए कानून यूसीसी को लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हमने पहले ही तैयारी कर ली थी। सीसी के लिए ट्रेनिंग सेंटर में वर्कशॉप, सेमिनार भी करवाए गए थे। लोग इससे जुड़े पहलू और पॉजिटिव फीचर्स को समझें और अपने रजिस्ट्रेशन करवाएं।

यूनिफॉर्म सिविल कोड से क्या बदलेगा-

समान संपत्ति अधिकार: बेटे और बेटी दोनों को संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि वह किस कैटेगरी के हैं।

मौत के बाद संपत्ति: अगर किसी व्यक्ति की मौत जाती है तो यूनिफॉर्म सिविल कोड उस व्यक्ति की संपत्ति को पति/पत्नी और बच्चों में समान रूप से वितरण का अधिकार देता है। इसके अलावा उस व्यक्ति के माता-पिता को भी संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। पिछले कानून में ये अधिकार केवल मृतक की मां को मिलता था।

समान कारण पर ही मिलेगा तलाक: पति-पत्नी को तलाक तभी मिलेगा, जब दोनों के आधार और कारण एक जैसे होंगे। केवल एक पक्ष के कारण देने पर तलाक नहीं मिल सकेगा।

महाराष्ट्र के सोलापुर में जीबी सिंड्रोम से पहली मौत

101 एक्टिव मरीज, इनमें 19 बच्चे, इलाज महंगा, एक इंजेक्शन की कीमत 20 हजार

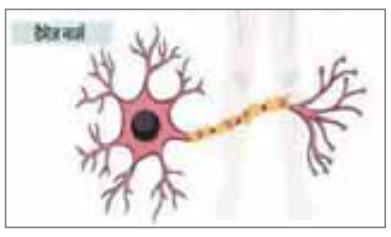

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सोलापुर में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से पहली मौत की बात सामने आई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि शख्स पुणे में काम करता था और अपने घर सोलापुर गया था। उसके गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से पीड़ित होने का संदेह था।

महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 26 जनवरी तक जीबीएस के 101 एक्टिव मरीज हैं। इसमें पुणे से 81 मरीज, पिंपरी चिंचवाड़ से 14 और 6 मरीज अन्य जिलों से हैं। इनमें 68 पुरूष और 33 महिला मरीज हैं। पुणे में 16 मरीज वेंटिलेटर पर हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी की मंजूरी

● इसमें 14 बदलाव, बोर्ड में 2 गैर-मुस्लिम मेंबर्स का नियम भी, विपक्ष के सारे सुझाव नकारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बिल में बदलावों को संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) ने सोमवार को मंजूरी दे दी। जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि इस फाइनल मीटिंग में सभी 44 संशोधनों पर चर्चा की गई। इनमें एनडीए सांसद के 14 सुझावों को मंजूरी दे दी गई है। विपक्षी सदस्यों ने भी कुछ प्रस्ताव रखे, लेकिन वोटिंग के दौरान इन्हें नकार दिया गया।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी बजट सत्र के दौरान अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। संसद के

शीतकालीन सत्र के दौरान समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। वक्फ संपत्तियों को रेगुलराइज करने के लिए बने वक्फ एक्ट 1995 की मिस-मैनेजमेंट, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण जैसे मुद्दों के लिए आलोचना की जाती रही है।

आईजी समेत 8 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

गुड़िया रेप-मर्डर केस में युवक को गिरफ्तार किया था, हिरासत में टॉर्चर कर मार डाला

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के बहुचर्चित गुड़िया रेप-मर्डर केस में जांच के दौरान पुलिस कस्टडी में एक आरोपी की हत्या के मामले में 8 पुलिस अधिकारियों को चंडीगढ़ की सीबीआई कोर्ट ने सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई।

कोर्ट ने 18 जनवरी को इस मामले में इन अफसरों को दोषी करार दिया था। आज कोर्ट ने हिमाचल के तत्कालीन आईजी जहूर एच जैदी समेत ठियोग के तत्कालीन डीएसपी मनोज जोशी,एसआई राजिंदर सिंह, एएसआई दीप चंद शर्मा, ऑनरेरी हेड कॉन्स्टेबल मोहन लाल और सूरत सिंह, हेड कॉन्स्टेबल रफी मोहम्मद और कॉन्स्टेबल रानित को उम्र कैद की सजा सुनाई है।

इंदौर के हितग्राही सम्मेलन में सीएम यादव बोले-

कांग्रेस ने जीवनभर बाबा साहब के साथ अन्याय किया

इंदौर (नप्र)। हम जिन आदर्श को मानते हैं। उनकी तिथियों का भी महत्व है। बाबा साहब अंबेडकर की जयंती या पुण्यतिथि पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कभी महू नहीं आए। कांग्रेस के लोग जब भी आते हैं आंखों में धूल झोंकने आते हैं। बाबा साहब ने संविधान दिया तो आना चाहिए तो 26 जनवरी को आते, आज क्यों आए हैं। बाबा साहब के साथ जीवन भर अन्याय करने वाली पार्टी कांग्रेस रही है। सीएम यादव ने यह बात इंदौर के गांधीनगर चौराहा पर जन कल्याण अभियान अंतर्गत आयोजित हितग्राही सम्मेलन में कही। सीएम यादव ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दो- दो बार बाबा साहब को हरवाने के लिए नेहरु जी ने ताकत लगा दी और जिन्होंने हरवा दिया उसे पद्म विभूषण दिलवा दिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य ने कहा कि महू में आज कांग्रेस की झूठ की फैक्ट्री पहुंची है। प्रदेश में 47 साल तक कांग्रेस की सरकार रहने के बावजूद बाबा साहब का स्मारक क्यों नहीं बनाया। इन लोगों को इसका जवाब देना पड़ेगा।जन कल्याण पर्व के समापन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सफाई कर्मियों को पादुका पहनाकर सम्मान और अभिनंदन किया।

बाबा साहब को चुनाव हराने वाले को कांग्रेस ने पद्म विभूषण दिलवाया

सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि, हम जिन आदर्श को मानते हैं। उनकी तिथियों का भी महत्व है। बाबा साहब अंबेडकर की जयंती या पुण्यतिथि पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कभी महू नहीं आए। कांग्रेस के लोग जब भी आते हैं आंखों में धूल झोंकने आते हैं। बाबा साहब ने संविधान दिया तो आना चाहिए तो 26 जनवरी को आते, आज क्यों आए हैं। बाबा साहब के साथ जीवन भर अन्याय करने वाली पार्टी कांग्रेस रही है। सीएम यादव ने आगे कहा कि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दो- दो बार बाबा साहब को हरवाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। जिन्होंने हरवा दिया उसे पद्म विभूषण दिलवा दिया। बाबा साहब ने कहा था समतामूलक समाज बनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास इसी उद्देश्य से किया। कांग्रेस ने बाबा साहब का सम्मान कभी नहीं किया। बाबा साहब को कोई सम्मान नहीं दिया, बल्कि नेहरु जी ने खुद को भारत रत्न ले लिया। इंदिरा गांधी ने भी भारत रत्न ले लिया, लेकिन बाबा साहब के योगदान को याद नहीं किया। जब बीपी सिंह जी प्रधानमंत्री थे तो भाजपा के कहने पर बाबा साहब को भारत रत्न दिया गया। हमारी सरकार सबको ढूंढ कर पद्मश्री देती है। इन्होंने बाबा साहब का स्मरण नहीं किया। सीएम यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां-जहां इनके पांव पड़े वहां वहां बंटाढार। अपने परिवार के अलावा कांग्रेस को कुछ दिखता नहीं। बहन प्रियंका गई वाड्रा परिवार में, लेकिन गांधी लगाती हैं, क्योंकि वोट नहीं कट जाएं। नकली गांधियों ने असली गांधी मिटा दिया। एक बार अजा वर्ग से सीताराम केसरी अध्यक्ष बन गए। कांग्रेस ने बुजुर्ग नेता उनकी धोती खोलकर कांग्रेस कार्यालय से बाहर निकालने का काम किया। अब ये संविधान बचाने की बात कह रहे हैं। नेहरुजी, इंदिराजी से लेकर राजीव गांधी तक ने संविधान का अपमान किया।

सीएम ने कहा कि हम प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ा रहे हैं। दारू की दुकान बंद हो और दूध की दुकान चलना चाहिए। बहनों की जिंदगी अच्छी करने के लिए हम ऐसा करेंगे। धार्मिक शहरों से हम दारू की दुकान बंद कर रहे हैं। सीएम ने कार्यक्रम में भीड़ देखकर कहा कि ऐसा लग रहा है कि मालवा में कुंभ का मेला भरा है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने जो-जो गलतियां की हैं उनसे माफी मंगवाएंगे। हम माफी यात्रा निकालेंगे

पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य ने कहा- महू में कांग्रेसी झूठ की फैक्ट्री आई

पूर्व मंत्री बोले- कांग्रेस की झूठ की फैक्ट्री महू पहुंची

कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य ने कहा कि आज इंदौर के पास महू में कांग्रेस की पूरी झूठ की फैक्ट्री आई है। पूरा झूठ का पिटारा जो झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं करते वो महू में आए हैं। मैं कांग्रेस की झूठ की फैक्ट्री से पूछना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश में 47 साल कांग्रेस की सरकार रही। लेकिन आपने महू में बाबा साहब का राष्ट्रीय स्मारक क्यों नहीं बनाया। अपने प्रदेश में बाबा साहब, रविदास का स्मारक क्यों नहीं बनाया। ये आपको जवाब देना पड़े। पीएम मोदी सागर में 100 करोड़ की रविदास के मंदिर की आधार सिला रखते हैं। लेकिन आपने क्या किया। पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि, अंबेडकर साहब को सम्मान देने का काम अगर किसी ने किया है तो भाजपा की सरकार ने किया है। मैं कांग्रेस नेताओं से पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस के नेताओं ने संविधान का जो अपमान किया है उन पापों को धोने आए हैं। राहुल गांधी जी ने बाबा साहब और संविधान का अपमान किया है। अब ये ढोंग करने क्यों आए हैं।

उपमुख्यमंत्री देवड़ा बोले- कांग्रेस ने एससी और एसटी के लिए क्या किया

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस खुले मंच से बताए कि उसने अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लिए क्या किया है। कांग्रेस जवाब दे कि गरीब, महिलाएं, किसान और युवा के लिए कांग्रेस जब जब सरकार पर रही इन चारों वर्ग के लिए क्या काम किए। बाबा साहब के पंच तीर्थों में जो भी काम हुए हैं वो पीएम मोदी और भाजपा की सरकार ने किया है। अब कांग्रेस का जनाधार समाप्त हो चुका है। कांग्रेस के नेता जनता से विचलित होकर बात करते हैं। वो कभी जनता के हित की बात नहीं करते ।डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने गरीब, किसान, महिला, युवा के लिए कभी कुछ नहीं किया।

वीडी शर्मा बोले- राहुल गांधी अपना राजनीतिक परिवर्तन करने आए- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि आज इंदौर में एक ओर बाबा साहब का सम्मान करने वाले लोग उपस्थित हैं। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोग आए हैं जिन्होंने बाबा साहब का अपमान किया है। एक बार नहीं कई बार। बाबा साहब की जन्म भूमी आज राहुल गांधी से पूछ रही है कि क्या आप अपने राजनीतिक परिवर्तन के लिए आए हैं। कांग्रेस ने बाबा साहब का अपमान तो बार-बार किया। लेकिन संविधान में लोकतंत्र की हत्या करने का काम किसने किया। संविधान में धारा 370 किसने लगाने का काम किया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में धारा 370 लगा के ये प्रावधान किया था कि वहां का सफाई कर्मी जिंदगीभर सफाई कर्मी रहे। लेकिन इसे हटाने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

इंदौर में दिन का तापमान बढ़ा

रात का पारा 1 डिग्री गिरने से हल्की ठिठुरन, सुबह से मौसम साफ

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पिछले 24 घंटों में मौसम बदला है। रविवार को मौसम पूरी तरह साफ रहा और अच्छी धूप रही। इस दौरान तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हुआ। इसके साथ ही दिन का तापमान 28 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर रात के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट आई और 12.5 (-2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सोमवार सुबह से मौसम साफ होकर धूप खिली हुई है। इसके साथ ही ठंड का असर कम है। मौसम वैज्ञानिकों ने एक-दो दिन ऐसा ही मौसम बने रहने के आसार जताए हैं। इन दिनों दूसरे जिलों की तुलना में इंदौर में मिलाजुला मौसम बना हुआ है। इससे पहले दक्षिण-पूर्वी हवाओं ने प्रदेश से ठंड जैसे गायब कर दी थी। एक सप्ताह तक दिन-रात के तापमान में खासी बढ़ोतरी देखने को मिली थी। वहीं बीती रात का का तापमान 1 डिग्री लुढ़का है। अभी दिन का तापमान सामान्य से 1 डिग्री और रात का तापमान 2 डिग्री ज्यादा बना हुआ है।

फरवरी के पहले हफ्ते में इंदौर में मौसम रहेगा साफ- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से फरवरी के शुरुआती 4 दिन तक मौसम बदला रहेगा। 1 से 4 फरवरी के बीच पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। इंदौर, भोपाल और उज्जैन संभाग में मौसम साफ रहेगा।

वायुसेना लेफ्टिनेंट के साथ मारपीट

स्कूटर में टक्कर लगने पर साथी बुलाकर पीटा, पुलिस ने किया मामला दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमजी रोड पर भारतीय वायुसेना के फ्लाइट लेफ्टिनेंट के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने शिकायत के बाद एक्टिवा सवार युवक और उसके तीन साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। एमजी रोड पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विश्व पुत्र नवीन चौहान

निवासी सुदामा नगर की शिकायत पर मनोज औदिच्य और उसके तीन साथियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, विश्व भारतीय वायुसेना में फ्लाइट लेफ्टिनेंट के पद पर तैनात हैं। 26 जनवरी को दोपहर में, वह अपनी ओला स्कूटर से जेल रोड की तरफ अपने मौसी के बेटे श्री के साथ स्मार्ट वॉच ठीक कराने जा रहे थे। तभी रॉन्ग साइड से एक्टिवा सवार व्यक्ति ने आकर उनकी स्कूटर के सामने गाड़ी रोक दी। जब विश्व ने उसे गलत लेन में आने की बात कही, तो उसने अपशब्द कहे। इसके बाद उसने अपने तीन साथियों को बुलाया, और चारों ने मिलकर विश्व और श्री के साथ मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने ईंट और हाथ-मुक्कों से हमला किया, जिससे विश्व के गाल, गर्दन और चेहरे पर चोट आई। बाद में आसपास के लोगों ने बचाव किया और मारपीट करने वाले व्यक्ति की जानकारी लेकर थाने पहुंचे, जहां लेफ्टिनेंट विश्व ने केस दर्ज कराया।

हत्या की नीयत से हमला

इंदौर (नप्र)। इंदौर के परदेशीपुरा में 26 जनवरी की रात तीन बदमाशों ने युवक की हत्या की नीयत से हमला किया। चाकू और हथियार लेकर आए बदमाशों ने अतुल सुनहरे को घर के सामने पीटा और चाकू से हमला करने की कोशिश की। घटना रात करीब 11 बजे शंकर कुम्हार के बगीचे के पास हुई। हमलावरों में बबलू उर्फ ढाई किलो, अभी ठाकुर और रवि शामिल थे। आरोप है कि बबलू का अतुल और उसके परिवार से पुराना विवाद है। शिकायतकर्ता पुष्पेंद्र सुनहरे ने बताया कि घूरकर देखने की बात को लेकर बबलू पहले भी धमकी दे चुका है।हमले के दौरान आसपास के युवकों और इलाके के लोगों ने बीच-बचाव कर अतुल को बचाया और बदमाशों को वहां से जाने के लिए मजबूर किया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। परदेशीपुरा पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कह रही है।

एमपीपीएससी- 2025 परीक्षा के सबसे ज्यादा सेंटर इंदौर में बनेंगे

16 फरवरी को 52 जिलों में होगा एग्जाम, नकल रोकने बनेंगे उड़न दस्ते

इंदौर (नप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा प्रांरभिक परीक्षा- 2025 फरवरी माह में होगी। इसे लेकर सभी तैयारियां की जा चुकी है। एग्जाम 52 जिलों में आयोजित की जाएगी। इंदौर में सबसे ज्यादा सेंटर रहेंगे। हर संभाग में एक ऑब्जर्वर भी नियुक्त किया जाएगा। साथ ही नकल रोकने के लिए उड़न दस्ते भी बनाए जाएंगे। ये एग्जाम 16 फरवरी को होगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस बार एग्जाम में 1 लाख 18 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। देखा जाए तो

शासन की तरफ से इस बार की राज्य सेवा परीक्षा में पद बढ़ाने का निर्णय जल्द लिया जाएगा। फिलहाल 158 पद है, जबकि अभ्यर्थियों की मांग है कि कम से कम 300 पद तो होना ही चाहिए। इस बार पदों की संख्या को लेकर ही अभ्यर्थियों में सबसे ज्यादा चिंता है।

पेपर लीक पर रहेगी नजर- आयोग द्वारा एग्जाम में नकल रोकने के लिए उड़न दस्ते भी बनाए जाएंगे। इसके अलावा पेपर लीक पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए आयोग की तैयारियां है। वहीं देखा जाए तो एग्जाम में सबसे ज्यादा सेंटर इंदौर में रहेंगे। एग्जाम इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर व सागर सहित प्रदेश के 52 जिलों में होना है।

युवक ने पूर्व मंगेतर और दोस्तों को पीटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पलासिया क्षेत्र में एक युवक ने अपनी पूर्व मंगेतर और उसके दोस्तों के साथ सड़क पर मारपीट की। युवक ने कार रोककर अभद्रता की, जिसके बाद मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पलासिया पुलिस के अनुसार, दीक्षा (विजयनगर निवासी) ने अपने पूर्व मंगेतर संदीप सिंह झाला (मरीमाता रघुवंशी कॉलोनी निवासी) के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। दीक्षा ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में काम करती हैं। पहले उनकी सगाई संदीप से हुई थी, लेकिन बाद में यह सगाई टूट गई। 25 जनवरी को दीक्षा अपने दोस्तों रितिका, अनुपम और अनिल के साथ एसेंसिया होटल में बर्थडे पार्टी मनाकर स्कोडा कार से चंद्रलोक चौराहे की ओर जा रही थीं। इस दौरान संदीप ने उनकी कार के आगे अपनी कार लाकर रोक दी।

इंदौर में निगम के अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

सीएम ने बच्चों को परोसा खाना

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सीएम डॉ.मोहन यादव ने तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली। इधर, नगर निगम मुख्यालय पर अच्छा काम करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को महापौर और निगम आयुक्त ने सम्मानित किया।

सीएम ने बच्चों के साथ किया भोजन

रविवार को इंदौर में सीएम डॉ.मोहन यादव ने तिरंगा फहराया। मुख्य कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुआ था। राष्ट्रगान के बाद सीएम ने खुली जीम में परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री यादव इसके बाद बाल विनय विद्या मंदिर उत्कृष्ट स्कूल में आयोजित भोज कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

फर्जी सॉफ्टवेयर बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

वर्चुअल नंबर और सिम कार्ड से बनाया जाता था निशाना

इंदौर (नप्र)। इंदौर की क्राइम ब्रांच ने सुदामा नगर निवासी पुनीत वाधवानी को गिरफ्तार किया है। पुनीत पर आरोप है कि वह फर्जी सॉफ्टवेयर बेचकर ठगी करने वाली एडवाइजरी कंपनियों को मदद करता था। तीन दिन पहले विजयनगर इलाके में होनेस्ट एडवाइजरी नामक फर्जी कंपनी पर छापेमारी के दौरान एक नकली सॉफ्टवेयर का उपयोग पाया गया था। जांच में पता चला कि यह सॉफ्टवेयर पुनीत ने उपलब्ध कराया था। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि पुनीत

पीएनपी सॉफ्टवेयर नामक फर्म संचालित करता था। वह ऐसे सॉफ्टवेयर तैयार करता था, जिनके जरिए ग्राहकों से वर्चुअल नंबर और फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर ठगी की जाती थी। जांच में यह भी सामने आया कि डॉ. सुनील साहू की पत्नी सोनाली पुनीत के लिए काम करती थी।

लेडी कॉन्स्टेबल ने किया सुसाइड

कजिन से कहा था, बाइक से गांव चलेंगे

इंदौर (नप्र)। इंदौर के कुम्हार खाड़ी में फांसी लगाने वाली ट्रैफिक थाने की आरक्षक सुसाइड मामले में परिवार के लोगों ने पुलिस अफसरों से सही जांच की मांग की है। उनके मुताबिक बेटी इस तरह से आत्महत्या नहीं कर सकती थी। उन्होंने बताया कि रात में पिता से बात होने के बाद बड़े पापा के बेटे से भी बात की थी। जिसमें बाइक से एक-दो दिन में गांव जाने के लिए कहा था। उसने बताया कि उसकी खरीदारी भी पूरी हो गई है। एमआईजी लाइन यातायात थाने में पदस्थ मानसी मुराड़िया के बड़े पापा मुकेश ने बताया कि चार माह से वह सिर और पेट का उपचार करा रही थी। उसे लेकर वह काफी परेशान थी। करीब एक सप्ताह पहले ही परिवार के सब लोगों से मिली थी। मानसी का भाई महाराष्ट्र में पोस्ट ऑफिस में पदस्थ है। उससे गांव सुदरेल सतवास आने की बात हुई थी। मानसी ने अपने बड़े पापा के बेटे राज से कहा था कि वह बाइक से एक-दो दिन में गांव चलेगी। उसे

सुसाइड के एक सप्ताह पहले ही सबसे मिली, मौसी के यहां शादी में भी जाने वाली थी

2 फरवरी को मौसी के यहां शादी में परिवार के साथ खंडवा जाना था। इसके बाद 17 फरवरी को भी रिश्तेदार के यहां शादी में जाना था। यह बात उसने थाने में भी बताई थी। थाने में भी सबको पता था कि मानसी ने शनिवार को शादी में जाने के चलते खरीदारी की है।

एसआई की कर रही थी तैयारी

मानसी काफी खुश मिजाज थी। वह एसआई (सब इंस्पेक्टर) की तैयारी भी कर रही थी। पहले वह फील्ड में काम कर रही थी। लेकिन तबीयत ठीक नहीं होने के चलते कुछ माह पहले ही उसने थाने में अफसरों से बात कर अपनी ड्यूटी लगवा ली थी। उसका कहना था कि इसमें उसे पढ़ने में भी मदद मिल जाएगी।

आयुष को लेकर नहीं थी जानकारी

मानसी के कमरे पर रात में एक लड़के के जाने की बात आ रही है। बताया जाता है कि वह उसे अस्पताल में छोड़कर चले गया। लेकिन परिवार को सूचना नहीं थी। परिवार को उस लड़के को लेकर जानकारी नहीं है। इधर यातायात थाने पर आयुष के साथ दोस्ती की बात सामने आ रही है। वह पढ़ाई के दौरान उसका दोस्त बना था। परिवार के मुताबिक आयुष को लेकर मानसी ने कभी उनसे कोई बात नहीं की। वह अकेले कमरा लेकर रह रही थी। उनके परिवार दो बच्चे भंवरकुआ इलाके में रह रहे है। जिसमें एक प्रतियोगी परीक्षा तो दूसरा बीएसएफ की तैयारी कर रहा है। परिवार के लोग रविवार को मानसी के शव को सुदरेल लेकर चले गए। परिवार ने बताया कि इंदौर पुलिस विभाग में उनके ओर भी रिश्तेदार है।

सराफा बाजार में व्यापारियों के वाहनों पर प्रतिबंध

ट्रैफिक सुधार के लिए गार्ड तैनात, ग्राहकों की सुविधा के लिए रहेगी विशेष पार्किंग योजना

इंदौर (नप्र)। इंदौर सराफा बाजार में व्यापार को बढ़ावा देने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए इंदौर चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन ने पांच साल बाद एक नई पहल शुरू की है। इस योजना के तहत बड़ा सराफा में सड़क के दोनों ओर पीली पट्टियां बनाई गई हैं, जहां केवल ग्राहकों के वाहनों को पार्क करने की अनुमति होगी। एसोसिएशन अध्यक्ष हुकम सोनी और मंत्री बसंत सोनी ने बतायाबड़े और छोटे सराफा के व्यापारियों के वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। व्यापारी पिछले 15 दिनों से स्वेच्छा से अपने दोपहिया वाहनों को बजाज खाना चौक, खजूरी बाजार और गौराकुंड पार्किंग में खड़ा कर रहे हैं। इसके लिए मासिक

पार्किंग पास भी बनवाए गए हैं।

चार गार्ड करेंगे निगरानी- ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक चार गार्ड तैनात किए गए हैं, जो बाजार में व्यवस्था बनाए रखने का ध्यान रखेंगे। साथ ही, बड़ा सराफा में बनाई गई पीली पट्टियों और केट आई पर रेडियम लगाया गया है, जिससे रात में भी पार्किंग व्यवस्था स्पष्ट दिखाई देती है। एसोसिएशन के अनुसार, इस नई व्यवस्था से व्यापार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जो ग्राहक अन्य बाजारों की ओर चले गए थे, वे अब लौटने लगे हैं। इससे व्यापार में बढ़ोतरी हो रही है।

2019 का अभियान फिर शुरू

कार्यकारिणी सदस्य अविनाश शास्त्री और अभिजीत वर्मा कुरी ने बताया कि 2019 में भी इस तरह का अभियान शुरू किया गया था, लेकिन कोरोना लॉकडाउन के कारण यह रुक गया था। अब पांच साल बाद फिर से इसे नए तरीके से शुरू किया गया है। एसोसिएशन फिलहाल माइक से ग्राहकों से पट्टी के भीतर वाहन पार्क करने की अपील कर रहा है। कुछ समय बाद पट्टी के बाहर वाहन पार्क करने पर यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों से शुल्क लिया जाएगा

नई व्यवस्था के तहत फरवरी से व्यापारियों से सालाना 1200 रुपए शुल्क लिया जाएगा। चौपाटी अब रात 9 बजे के बाद ही शुरू होगी। एसोसिएशन ने चौपाटी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि दुकानें 9 बजे से पहले न लगाएं। अध्यक्ष ने आग्रह किया है कि गार्ड द्वारा रोकने पर किसी भी प्रकार का विवाद न किया जाए। उन्होंने कहा कि समय पर ठेले लगाने और गाड़ियां सही जगह पार्क करने से सराफा बाजार की व्यवस्था और व्यापार दोनों में सुधार होगा।

संपादकीय

शराबबंदी : अनमना फैसला

मप्र में मोहन यादव सरकार द्वारा नई आबकारी नीति के तहत राज्य के 17 धार्मिक शहरों व 2 ग्रामीण क्षेत्रों में शराबबंदी लागू करने का फैसला यूं तो स्वागतेय है, लेकिन यह निर्णय अनमनेपन से लिया गया ज्यादा लगता है। कारण यह कि इन धार्मिक शहरों में शराब ब्रिकी पर तो रोक रहेगी, लेकिन शराब रखने और पीने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इस बात का भी कोई स्पष्ट निर्देश नहीं है कि अगर कोई बाहर से मदिरा लेकर धार्मिक नगरी में आएगा तो उस पर क्या कार्रवाई होगी? सरकार शराबबंदी को लेकर अहम फैसला लेने जा रही है, इसको लेकर सीएम यादव ने पहले ही संकेत दे दिया था। उसी के मुताबिक शुक्रवार को धार्मिक नगरी महेश्वर में हुई कैबिनेट की विशेष बैठक में निर्णय हुआ कि 19 शहरों में 1 अप्रैल से शराबबंदी होगी। यहां न शराब की दुकान होगी, न ही शराब बनाई जा सकेगी। इन क्षेत्रों में शराब पीने पर भी प्रतिबंध रहेगा। यहां संचालित शराब दुकानों को बंद कर दिया जाएगा। बंद दुकानों को प्रतिस्थापित भी नहीं किया जा सकेगा। जिन शहरों में शराबबंदी लागू होगी, वे हैं उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मण्डला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक की सम्पूर्ण नगरीय सीमा में एवं सलकनपुर, कुण्डलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा की ग्राम पंचायत सीमा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्णतः पवित्र घोषित किया गया है। 17 धार्मिक शहरों में 47 शराब दुकानें हैं। यहां शराब बिक्री बंद होने से सरकार को 450 करोड़ की राजस्व हानि होगी। यादव सरकार ने इस मामले में यूपी की राह पर चलने का फैसला किया है। वहां धार्मिक नगरी अयोध्या और मथुरा और आसपास शराबबंदी लागू है। ऐसा लगता है कि सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से सरकार पर शराबबंदी का दबाव था, लेकिन उसे राजस्व की भी चिंता है। इसलिए शराबबंदी केवल धार्मिक शहरों में ही लागू की गई है न कि पूरे प्रदेश में। इसका बड़ा कारण राज्य सरकार को आबकारी से होने वाली आय है। वर्ष 2020-21 में जहां मप्र सरकार को 9520 करोड़ की आय हुई, वहीं 2024-25 में शराब बिक्री से 13914 करोड़ की आय होने का अनुमान है। 2025-26 के लिए सरकार ने 16000 करोड़ की आबकारी आय का लक्ष्य रखा है। इसका सीधा अर्थ यही है कि राज्य में शराब की बिक्री लगातार बढ़ रही है। अगर सरकार समूचे राज्य में शराबबंदी करती तो उसे इतने बड़े राजस्व से हाथ धोना पड़ता। यह सरकार गवारा नहीं कर सकती, क्योंकि सरकार हर माह कर्ज लेकर काम चला रही है। इसलिए उसने शराबबंदी लागू तो की, लेकिन अधूरे ढंग से। राज्य में यह सीमित शराबबंदी भी शराब के अवैध कारोबार को बढ़ावा देगी, इस आशंका को नकारा नहीं जा सकता। दूसरे, सरकार शराब के रेट भी बढ़ाने जा रही है। यानी सरकार इस मानसिक द्वंद्व में है कि वह लोगों से शराब छुड़ाना भी चाहती है और शराब से कमाना भी चाहती है। व्यवहार में दोनो बातें एक साथ संभव नहीं है। यूं देश मे चार राज्यों गुजरात, बिहार, नागालैंड और मिजोरम में पूर्ण शराबबंदी लागू है। लेकिन वहां अवैध तरीके से हर प्रकार की शराब मिल जाती है। साथ ही सरकारी शराब बिकना बंद होने से अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। गुजरात और बिहार में आए दिन होने वाली जहरीली शराब से मौतें इसका प्रमाण हैं। दरअसल शराबखोरी एक सामाजिक बुराई है और इसका इलाज लोगों को शिक्षित करना है। शराबबंदी से तात्कालिक राहत मिल सकती है, लेकिन यह कोई स्थायी उपाय नहीं है।

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'स्वर्ण युग'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने उद्घाटन के बाद, कहा कि वह अमेरिकी लोकतंत्र के दशकों के बाद 'स्वर्ण युग'में प्रवेश कर रहे थे, और वह 'वर्ण युग' में प्रवेश कर रहे थे और 6 जनवरी, 2020 को कैपिटल हिल पर सशस्त्र हमलावरों को जमानत देने से लेकर जन्म-आधारित अमेरिकी नागरिकता प्रणाली को समाप्त करने तक कई आदेश जारी किए। ट्रम्प ने अपने कई अभियान रैलियों में एक घोषणा दोहराई, यहां तक कि अपने उद्घाटन भाषण में, केवल दो लिंगों की आधिकारिक स्वीकृति: पुरुष और महिलाएं। ट्रम्प का कदम उनके रूढ़िवादी, कट्टर और कड़ी मेहनत करने वाले समर्थकों के विचारों के अनुरूप था।

कू क्लक्स क्लान (केकेके), एक संगठन जो पिछली शताब्दी में धर्म के नाम पर अफ्रीकी अमेरिकी नागरिकों पर हमला करने और उनका वध करने के लिए खुले तौर पर काम कर रहा है, दशकों से खुले तौर पर काम कर रहा है, और आज केकेके के राजनीतिक वंशज धार्मिक, जातीय और यौन अल्पसंख्यकों पर हमला कर रहे हैं। ऐसे नव-नाजी, धार्मिक और जातीय राष्ट्रवादी समूहों ने ट्रम्प प्रशासन के तहत राजनीतिक समर्थन प्राप्त किया है। ट्रम्प प्रशासन पर रूढ़िवादी समूह का प्रभाव 'आधिकारिक तौर पर केवल दो लिंगों को स्वीकार करन' के निर्णय में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, जो कि अन्य यौन अल्पसंख्यकों को अस्वीकार करने के लिए है।

दक्षिणी गोलार्ध के कई देशों में ट्रांसजेंडर लोगों को इतिहास में शामिल किया जाता है, जिनमें परंपराएं और मिथक भी शामिल हैं, और यहां तक कि भारतीय भाषाओं में हिजड़ा और हिजड़े शब्द भी आसानी से दिखा सकते हैं कि लिंग की कई अन्य पहचानों का लिंग के अलावा अन्य परंपराओं में भी स्थान है। ट्रांस लोगों के साथ अभी तक हमारे समाज में समान व्यवहार नहीं है और उनके पास पर्याप्त सामाजिक मान्यता नहीं है, कम से कम उन्हें 'धर्म-विरोधी' के रूप में लेबल करने का अभियान लगता है।

हालांकि, चर्च के नेतृत्व वाले आधुनिक यूरोपीय साम्राज्यवाद ने समलैंगिकता और ट्रांसजेंडर पहचान को विधर्मी घोषित किया, और यौन अल्पसंख्यकों और ट्रांससेक्सुअल को सार्वजनिक रूप से दंडित किया गया, और धार्मिक साम्राज्य उन्हें धर्म-विरोधी व्यवहार के लिए मारने के लिए इतनी दूर चले गए, और धर्म के नाम पर यौन अल्पसंख्यकों पर हमला करने वाले समुदायों की जड़ें इस क्रूर परंपरा में थीं: एक महिला को मां होने का अधिकार नहीं होना चाहिए या नहीं। ये वही कट्टर समूह हैं जो इस तरह के आक्रामक प्रचार को फैला रहे हैं।

हालांकि, पिछले कुछ दशकों में, विभिन्न देशों में महिलाओं, यौन अल्पसंख्यकों और ट्रांसजेंडर समूहों ने संवैधानिक ढांचे से परे अपने मौलिक अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी है। LGBTQIA आंदोलन ने भी सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया है कि शिक्षा और स्वास्थ्य में समान

अधिकार सभी के लिए न्यायसंगत और सुरक्षित जीवन का अधिकार है।हिंसा से मुक्ति और प्रेम के अधिकार के इंद्रधनुषी जीवन को बढ़ावा देने वाले इन समुदायों ने बहुसंख्यक समुदाय को भी कई मामलों में बुद्धिमान बनाया। उनके संघर्षों को विभिन्न कानूनों द्वारा मान्यता भी दी गई थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में, ओबामा-युग विवाह समानता अधिनियम एक उदाहरण है। यह स्वीकार करते हुए कि 'कोई भी दो सभ्य व्यक्ति शादी कर सकते हैं,' कानून ने सैकड़ों यौन अल्पसंख्यक जोड़ों से शादी करने के अधिकार को मान्यता दी, लेकिन जैसे-जैसे सुधार लागू किए जा रहे थे, धार्मिक समूहों के बीच आक्रोश और घृणा तेजी से फैल रही थी। इन समूहों ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि ट्रांसजेंडर लोगों को शौचालय का उपयोग करने का अधिकार भी नहीं होना चाहिए। ट्रांसजेंडर लोगों को खेल आयोजनों से निष्कासित करने के अपने आक्रामक आग्रह में, वे समलैंगिक नहीं थे। वे अपनी पहचान पर भी सवाल उठाने लगे।

गुणसूत्र, हार्मोन और जननांग तीन जैविक कारक हैं जो किसी व्यक्ति की यौन पहचान निर्धारित करते हैं। तीनों मामलों में, हम एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कई छोटे बदलाव देखते हैं। जाति, क्षेत्र, आनुवंशिकी भी इसमें भूमिका निभाती है। इसलिए यह आग्रह कि केवल दो यौन पहचान होनी चाहिए जहां कोई भी 'सामान्य'/आदर्श महिला या पुरुष नहीं है, पूरी तरह से निराधार है।कई अध्ययनों ने ट्रांससेक्सुअल पुरुषों और ट्रांससेक्सुअल गैर-बाइनरी व्यक्तियों के अस्तित्व के वैज्ञानिक आधार को साबित किया है। क्या एक लोकतांत्रिक सरकार ऐसी सरकार हो सकती है जो हमारे अपने किसी भी नागरिक के अस्तित्व को नकारती है? यह एक महत्वपूर्ण सवाल उठाता है।

डोनाल्ड ट्रंप का एक और फैसला जो पुराने फैसलों को पलटते हुए कई लोगों ने मान लिया है कि जिन फैसलों का पूरी दुनिया और खासकर भारत पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। प्रमुख निर्णयों में से एक यह है कि 'जन्मसिद्ध अमेरिकी नागरिकता' अब समाप्त कर दी जाएगी! अमेरिकी कानून गारंटी देता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा होने वाले प्रत्येक बच्चे या व्यक्ति को अमेरिकी नागरिकता मिलेगी, लेकिन ट्रम्प ने सत्ता में आते ही उस निर्णय को बदल दिया। ट्रम्प ने 20 फरवरी, 2025 को समय सीमा के रूप में निर्धारित किया है, जिसका अर्थ है कि केवल इस तिथि के भीतर संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुए बच्चों को जन्म से अमेरिकी नागरिकता का अधिकार होगा ।

हालांकि, इससे एक अजीब बात सामने आई है: अमेरिका में सभी भारतीय (साथ ही अन्य) महिलाएं जो वर्तमान में गर्भवती हैं और जिनके निकट भविष्य में बच्चे पैदा होने की संभावना है, वे स्त्री रोग विशेषज्ञों और प्रसूति अस्पतालों में भाग गई हैं। वे कहते हैं, आप जो भी करें, हमारी डिलीवरी तुरंत करें। सिजेरियन सेक्शन करवाएं। लेकिन हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे का जन्म 20 फरवरी से पहले हो जाए। इनमें से कुछ गर्भवती महिलाएं अपने छठे, सातवें और आठवें महीने में हैं, जिसका अर्थ है कि वे अभी भी प्रीटरम डिलीवरी चाहती हैं, भले ही उनके बच्चे के जन्म के लिए एक से तीन महीने बाकी हों।

जिन गर्भवती महिलाओं को अभी तक ग्रीन कार्ड नहीं मिला है, वे सचमुच सिजेरियन डिलीवरी के लिए लाइन में लगी रहती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि हमारे पास कम से कम 50-100 गर्भवती भारतीय महिलाएं हर दिन सीजेरियन सर्जरी पर जोर देती हैं। ये महिलाएं और उनके पति और परिवार के सदस्य सुनने के लिए तैयार नहीं हैं, इस तथ्य के बावजूद कि अनावश्यक और लंबे समय से पहले सीज़ेरियन सर्जरी से बच्चे और मां की जान जा सकती है।

उन्होंने कहा, 'कोई कल्पना नहीं कर सकता कि हमने अमेरिका आकर ग्रीन कार्ड हासिल कर क्या किया लेकिन अगर हमारी मेहनत, मेहनत और सपने रातोंरात खत्म हो गए तो हम इसे कैसे बर्दाश्त करेंगे?..

ट्रंप ने कहा, अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए बर्थ टूरिज्म का सहारा लेने वालों के खिलाफ यह हमारा सबसे महत्वपूर्ण कदम है। जब किसी बच्चे को अमेरिकी नागरिकता मिलती है तो माता-पिता के लिए ग्रीन कार्ड प्राप्त करना आसान होता है, और अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने और वहां जन्म देने वाले लोगों की संख्या भी बहुत बड़ी होती है। यदि बच्चा अमेरिकी नागरिकता चाहता है, तो दंपति में से एक के पास अमेरिकी नागरिकता या ग्रीन कार्ड होना चाहिए, या वह अमेरिकी सेना में होना चाहिए! इस फैसले को अब विभिन्न अमेरिकी राज्यों द्वारा चुनौती दी जा रही है। एक संघीय न्यायाधीश जॉन कूग्नर ने निर्णय को अस्थायी रूप से निलंबित करके पहला कदम उठाया।

एक डर है कि बहुसंख्यकवादी सरकार अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय करेगी। वह डर अब सच हो रहा है, इसलिए 'अमृत काल' में रहने वाले हमें समझना चाहिए कि यह स्वर्ण युग पाषाण युग की ओर ले जा रहा है।

राजनीति

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

काश माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम से इतर दिल्ली की भी बात होती..!

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमों केजरीवाल जैसीमुफ्त की रेवड़ियोंका वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करनेलगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्तजीत दर्ज की।34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने।बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते।1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे।राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते सालभर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई। 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी।इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 मेंचुनाव हुए।

1993 में भाजपा बहुमत में आई।मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज

को कमान मिलीजो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।

1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने।

कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आप और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीस खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति केनए सितारे बन गए।भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैंलेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती। वहीं भाजपा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, मौजूदा योजनाओं को न केवल जारी रखने बल्कि उसमेंबढ़ोत्तरी करने जैसा संकल्प यानी एक से एक लुभावनी घोषणाओं का पिटारा खोल आम आदमी पार्टी को चुनौती देने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखती।

मुफ्त की रेवड़ियों, लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली का प्रदूषण, यमुना की गंदगी, बदहाल सड़कें, बरसात में डूबते पुल-पुलिया, पीने के पानी की किल्लत, बढ़ते अपराध और इन सबसे ऊपर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा जैसे अहम मुद्दे काफी पीछे छूट गए हैं। काश! एक करोड़ की आबादी खातिर मौजूदा संसाधनों वाली दिल्ली में तीन करोड़ लोगकैसे रहते हैं को देखने, सुनने वाले जैसे आम आदमी के मुद्दोंकी भी बात होती! लेकिन फिलाहाल माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम की तर्ज पर मतदाताओं को लुभाने में कोई पीछे नहीं दिखता। अब दिल्ली की बात कौन करे? देखने लायक होगा कि त्रिकोणीय मुकाबले में कौन किसको कितना नुकसान पहुंचाता है और बाजी जीतता है।

क्या खैराती योजनाओं का अंत संभव है ?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त तमाम विसंगतियों को लेकर मीडिया के माध्यम से कलमकारों ने कलम चलाई है। और यह क्रम आज भी जारी है। लेकिन संबंधित वर्ग पर इसका रत्ती भर भी असर दिखाई नहीं देता। राजनीति में रेवड़ी कल्चर के चलते समाज में मेहनतकश वर्ग पर लगातार बढ़ती महंगाई से जूझने के साथ साथ बैठे ठाले खाने और परिवार चलाने वालों का दायित्व भी आन पड़ा है। जिसके संपूर्ण श्रेय के हकदार विभिन्न राजनीतिक दल ही हुआ करते हैं। ये दल खुलकर जमाने में यह दंभ भरते हैं कि हमने इनके लिए यह किया और उनके लिए वह किया। आजकल की राजनीति बिल्कुल इसी तर्ज पर चल रही है। मेहनतकश कुटा रहा है और सरकार अपनी पीठ ठोक रही है।

इस विषय को लेकर नागरिकों का एक अत्यंत जागृत वर्ग जिसे कि हम पत्रकार, लेखक या विचारक के रूप में जानते हैं, उन्होंने समय-समय पर इतना सटीक लिखा कि हम उनकी कलम के कायल हो गए। लेकिन जैसा कि कहा जाता है कि कलम की ताकत तलवार से कहीं अधिक बड़ी होती है, लेकिन वास्तव में क्या ऐसा है ? अब राजनीतिक दलों की खैराती योजनाओं को ही देखिए, इसके दुष्परिणामों को लेकर कितने सवाल उठाए गए, ऐसा भी खुलकर कहा गया कि ऐसी योजनाएं आम नागरिकों को पुरुषार्थ के प्रति हतोत्साहित करते हुए अकर्मण्यता का पाठ पढ़ा रही है। देश में स्वाभिमानी नागरिकों की अपेक्षा सरकार पर आश्रित वर्ग की संख्या बेतहाशा बढ़ती जा रही है।

खैराती योजनाओं के दुष्परिणामों के प्रति भी लगातार आगाह किया गया। लेकिन कहीं से कहीं तक इस सच्चाई को कोई भी राजनीतिक दल या उसकी सरकार समझना नहीं चाहती। जब कभी कोई राजनीतिक दल या सरकार खैराती योजना क्रियान्वित करती है, अधिकांश हितग्राही ऐसी खैरात को जन्म सिद्ध अधिकार की भांति ले लिया करते हैं। इसमें रत्ती भर भी लेतलाली देखते ही देखते जन आंदोलन का कारण बन जाती है। एक बार, केवल और केवल एक बार खैराती योजनाओं का क्रियान्वयन होने पर भी अधिकांश नागरिकों को इसकी आदत पड़ जाती है। आजकल तो विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच एक प्रकार की अघोषित प्रतियोगिता हो रही है कि कौन बड़ा दातार है ?

आश्चर्य का विषय है कि भिक्षावृत्ति को हमारे यहां अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता। लेकिन दूसरी ओर सरकार यह दावा करती है कि हम 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त राशन दे रहे हैं। परिवार के हर किसी सदस्य को किसी न किसी योजना से लाभान्वित कर रहे हैं। एक प्रकार से देखा जाए तो सरकार निठल्लों के पालन पोषण में लगी है। जिसके चलते उनका वोट बैंक सुरक्षित हो सके। आजकल तो सरकार तमाम हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित कर वाह वाही लूटने में भी लगी दिखाई देती है। इस संदर्भ में एक मासूम सवाल यह भी उत्पन्न होता है कि जब सरकार के पास खैरात बांटने को इतना पैसा है तो वह जनता से भारी भरकम टैक्स क्यों लेती है ?

दरअसल होता यह है कि सरकार एक जेब से निकालती है तो दूसरी जेब में डालती है। माना कि सर्वहारा वर्ग इससे वास्तव में लाभान्वित होता है। लेकिन यह समझ से परे है कि सरकार उसे स्वावलंबन के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए सहायक सिद्ध क्यों नहीं होती ? इस वर्ग को आश्रित ही क्यों रहने देना चाहती है ? वास्तव में क्षणिक लाभ के लिए शारीरिक और मानसिक श्रम शक्ति का ऐसा अपमान अक्षम्य ही कहा जाना चाहिए। लेकिन यह हकीकत है कि ऐसी आवाज राजनीति के नक्कारखाने में तूती से अधिक कुछ सिद्ध नहीं होती। आजकल की राजनीति में तो मैनेज करने की परंपरा सी स्थापित होने लगी है। कल तक तो केवल राजनीति में ही राजनीति हुआ करती थी।

हर कोई अपने और अपनों के लिए ही जी रहा है। पर दुख कातरता का भाव विलुप्ति की कगार पर है। बीते समय में धन संपन्न वर्ग असहाय वर्ग की स्वेच्छा पूर्वक सहायता करते हुए अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति से दो-चार हुआ करता था। आज ऐसा बहुत कम दिखाई देता है। सरकार जो दातारी भाव अपना रही है, उसके चलते विशेष कर मेहनतकश वर्ग के मन के किसी कोने में आक्रोश भी घर कर रहा है। स्वाभाविक रूप से विचार आता होगा कि एक तरफ तो वह अनिवार्य अंशदान की पूर्ति कर रहा है तो दूसरी तरफ उस अंशदान से विभिन्न राजनीतिक दल राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की प्रक्रिया में तल्लीन हैं। यही कारण है कि आजकल संभ्रांत वर्ग राजनीति से लगभग परहेज कर कर ही चलता है।

उपरोक्त तरह के तमाम विषयों पर अनेक बार सवाल उठाए गए हैं। लेकिन कहीं से कहीं तक कोई नतीजा नहीं निकला। और तो और कोई नतीजा निकलता दिखाई भी नहीं देता। अब स्थिति इस कदर विषम हो चुकी है कि लोकतंत्र के चलते कोई भी राजनीतिक दल या सरकार किसी भी खैराती योजना को बंद करने के पहले हजार बार विचार करेगी। शायद ही कोई दल या सरकार इस जोखिम को उठा सके। इन हालातो के चलते विभिन्न सामाजिक संगठनों को ही अपने समाज के आत्म सम्मान की खातिर राजनीतिक दल एवं सरकार के तमाम प्रलोभनों को ठुकराने की पहल करनी चाहिए। दरअसल अब तमाम हितग्राहियों की भी यह जिम्मेदारी है कि वह अपने आत्म सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा की खातिर पुरुषार्थ को तवज्जो दे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अख़्तर अली

लेखक व्यंग्यकार हैं।

फिसलने का कोई मौसम नहीं होता

फलों और सब्जियों का मौसम होता है लेकिन फिसलने का कोई मौसम नहीं होता। आदमी कभी भी - कहीं भी फिसल सकता है। इस धरती पर हमें बारहों महीने फिसलने की सुविधा है। जो अब तक नहीं फिसले वो कब तक नहीं फिसलेगे ? फिसलने का एक दिन मुअय्यन है - नींद क्यों रात भर नहीं आती ?

यूँ तो फिसलने के कई स्थान हैं लेकिन फिसलने की सबसे लोकप्रिय जगह बाथरूम है। कुल फिसलने का तीन चौथाई फिसलना बाथरूम में होता है। वह भी गैर के बाथरूम में नहीं बल्कि अपने निजी बाथरूम में। उस बाथरूम में जिसे मन से बनाया था। नीचे आकर्षक टाईल्स और उपर महंगे शावर लगवाए थे। बीस पच्चीस साल से जिसमें बिंदास आ जा रहे थे उसी में फिसल जाते हैं। बाथरूम किसी का सगा नहीं होता। कहते हैं जिस तरह आदमी के जन्म के दिन ही उसकी मृत्यु का दिन तय हो जाता है उसी प्रकार बाथरूम के निर्माण के दिन ही उसमें फिसलने की तारीख़ निश्चित हो जाती है।

धकेलने में और फिसलने में अंतर हैं। धकेलने के लिये शत्रु की ज़रूरत होती है लेकिन फिसलने के मामले में आदमी आत्मनिर्भर है। फिसलना एक ऐसा नुकसान है जिसके लिये किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। सिर्फ़ लापरवाह लोग ही नहीं फिसलते बल्कि वह भी आख़िरकार फिसल ही गये जो संभल संभल कर और फूक फूक कर कदम रखते थे।

फिसलने के साथ पैर का फ्रेक्चर होना फिसलने का आवश्यक तत्व है। अगर पैर सही सलामत है तब फिसलने को फिसलना नहीं माना जाता है। पैर में पलास्टर हो, हाथ में वाकर, चेहरे में दर्द, हाथ में डाक्टर की फाईल, जुबान पर अस्पताल का बिल हो और हो बरमूडा पहने पलास्टर का प्रदर्शन। यह संपूर्ण दृश्य आकार ले तब लोग मानते है कि आप बाथरूम में फिसले हो। अगर ऐसा कुछ नही है तो फिसलना नकार दिया जाता है और कहा जाता है - फेक न्यूज़ है, वो क्या बाथरूम में फिसलेगा ? फिसलने लायक उसका बाथरूम है ही नहीं। इस दुनिया में आदमी की हैसियत और उसका मूल्यांकन उसके फिसलने से भी आंका जाता है।

जब फिसले हुए बाप को बेटा अस्पताल लेकर जाता है तब उसकी आँख में चमक होती है और उसका सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। वर्षो की प्रतीक्षा के बाद आज उसे पिता के प्रति प्रेम दर्शाने का सुनहरा अवसर मिला है। इस अवसर को वह हाथ से निकलने नही देना चाहता। वह परिवार, रिश्तेदार और समाज में अपनी इस उपलब्धि को खूब भुनाता है। गरीब भाई को उपदेश देने का यह सही समय होता है। लेटे हुए पिता के समीप खड़ा हुआ पुत्र जब डाक्टर से कहता है - डॉक्टर साहब पैसों की कोई चिंता नहीं, आप पापा को जल्दी ठीक कर दीजिये, बस यही वह समय होता है जब डॉक्टर तय करता है कितने का बिल बनाना है।

सृजनशील व्यक्ति पैर में बंधे पलास्टर का भी सार्थक और कलात्मक उपयोग कर लेता है। शायर उस पर मिसरा लिख लेता है, आशिक मिज़ाज नर्स का मोबाईल लिख लेते है, व्यापारी इस पर ग्राहक का नाम और रकम नोट कर लेटे लेटे ही तकाज़ा करते रहते हैं।

बहुत व्यापक है फिसलने की कथा। इस कहानी का महत्वपूर्ण पक्ष है इसकी तात्कालिकता और मौलिकता। इसे कितना भी लिखो यह अधूरी ही रहेगी। अच्छे से विमर्श के लिये इसे दो भागों में बाटा गया है आज़ादी के पहले का फिसलना और आज़ादी के बाद का फिसलना। आज़ादी के बाद हमने फिसलने में बहुत ग्रोथ की है। अब उत्साही लोग वहां वहां भी फिसल रहे हैं जहां फिसलने की ज़रा भी संभावना नही थी। स्वास्थ विभाग के अनुसार फिसलने के मामले में अभी और तेज़ी।

पैर का फिसलना ही संपूर्ण फिसलना नहीं है। पैर के अतिरिक्त आदमी की ज़ुबान फिसल जाती है, नज़र फिसल जाती है, मन फिसल जाता है, दिल फिसल जाता है, ईमान फिसल जाता। कोई फिसल कर खड़ा हो गया तो कोई फिसलते फिसलते संभल गया लेकिन ऐसे भी लोग है जो फिसले तो फिर फिसलते ही रहे।

इंदौर शहर

संजय तेलंग

(वरिष्ठ पत्रकार और लेखक)

स्वच्छ शहर की गंदी व्यवस्था और भंग शांति

प्रदेश की औद्योगिक राजधानी और प्रमुख शहर इंदौर का विकास जिस तेजी से हो रहा है। लेकिन, उससे दोगुनी गति से शहर में समस्याएं बढ़ रही हैं। इनमें से कुछ तो स्थायी समस्याएं हैं और कुछ मौसमी। दो प्रमुख समस्याओं ने शहरवासियों नाक में दम किया है। दिनों-दिन बिगड़ती यातायात व्यवस्था और बढ़ते अपराध। इन समस्याओं ने शहरवासियों के दिन का चैन और रातों की नींद उड़ा रखी। इसके अलावा अधिकारियों की अदूरदर्शी नीतियां भी शहर पर भारी पड़ रही। पहले लाखों-करोड़ों की लागत से निर्माण फिर उसे अनुपयोगी बताकर उसे ढहा देने की बात करना कहां की समझदारी है!

सबसे पहले बात उस जिम्मेदार संस्था की, जिस पर शहर के व्यवस्थित विकास के साथ ही नागरिकों को रहने के लिए सुविधाजनक वातावरण प्रदान करने की जिम्मेदारी है। ये है इंदौर नगर निगम। करीब 40 लाख की जनसंख्या को छू रहे इस इंदौर शहर के नागरिकों से नगर निगम साल में करोड़ों रुपए के कर वसूलता है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर जो मिल रहा है, वह यहां के नागरिक ही समझ सकते हैं। नगर निगम ने शहर में ओवरब्रिज, सड़कें चौड़ी करने, स्टार्म वाटर लाइन जैसे अनेक काम खोल रखे हैं। इन कामों की पूरा करने के लिए निर्धारित तिथि को कभी गंभीरता से नहीं लिया गया। इससे अनेक काम पूरे होने के आसार ही नजर नहीं आ रहे। एक उदाहरण मधुमिलन चौराहे का ही लें। शहर के इस प्रमुख चौराहे पर छह-सात रास्तों से दिनभर यातायात का जबरदस्त दबाव रहता है। सबसे पहले यहां बीच में बने बड़े उद्यान को तोड़ा गया। उसके बाद से बेरिकेड्स लगाकर हर दिन यातायात के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इससे वाहन चालकों को हो रही परेशानी से निगम को लगता है, कुछ लेना देना नहीं है। इसी तरह करोड़ों की लागत से बने बीआरटीएस को भी तोड़ने की तैयारी है।

शहर के व्यस्त एमजी रोड, जवाहर मार्ग, राजबाड़ा क्षेत्र, यशवंत रोड तो ठीक कॉलोनियों के रास्तों और यहां तक कि राऊ-भोपाल बायपास तक जाम की समस्या में रोज उलझ रहे हैं। इसकी मूल वजह है इन क्षेत्रों में अरसे से चल रहे काम। निगम की अदूरदर्शिता की वजह से हालत सुधरने के बजाय बिगड़ती जा रही है। क्या ऐसा नहीं हो सकता पांच काम शुरू करें, उन्हें समय सीमा में पूरा कर, अगले पांच काम शुरू किए जाएं। इससे निगम के जिम्मेदार भी कामों पर फोकस कर पाएंगे और शहरवासियों की दिक्कत भी कम होगी।

शहर का कोई हिस्सा ऐसा नहीं है, जो अतिक्रमण की चपेट में आने से बचा सकता हो। कहने को नगर अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन

अतिक्रमण है कि हटने या कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल, निगम की टीम रवाना होने की सूचना बाजारों में पहले ही पहुंच जाती है, ऐसे में फुटपाथों पर पसरा सामान दुकानों के भीतर चला जाता है, रेहड़ी वाले गायब जो जाते हैं। निगम टीम के हाथ अधिक कुछ नहीं लग पाता। कुछ बोर्ड, थोड़ा-बहुत सामान जब्त कर टीम खानापूर्ति कर लौट जाती है। टीम के लौटते ही सब कुछ पहले जैसा सामान्य हो जाता है। अतिक्रमण अवैध है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन, हटाने की कार्रवाई करने पर विरोध प्रदर्शन शुरू होते भी देर नहीं लगती। रसूखदारों के फोन घनघनाने लगते हैं। ऐसे में निगम की टीम के पास लौटने के अलावा कोई चारा नहीं होता। क्या निगम इतना भी नहीं कर सकता कि अतिक्रमण के फोटो ले लिए जाएं, बाद में कार्रवाई की जाए। इसमें कोई विरोध भी नहीं कर सकेगा।

इसमें कोई शक नहीं पहले की तुलना में स्वच्छता को लेकर काम हुआ है। इसी का परिणाम है कि शहर सात बार देश में सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने में कामयाब हो सका। लेकिन, यदि कहा जाता है कि स्वच्छता को लेकर काम पूरा हो गया है, ठीक नहीं होगा। बाहरी क्षेत्र की कॉलोनियों और बस्तियों की बदहाली वहां के रहवासी ही जानते हैं। ड्रेनेज और सीवेज लाइन चोक होने से गंदगी रास्तों पर बहती देखी जा सकती है। कचरे और प्रतिबंधित प्लास्टिक की पन्नियां बिखरी देखने के लिए तो वहीं जाना होगा। शहर के कुछ सुविधाघरों को छोड़ कर गली-कूचे और दूरस्थ इलाकों के सुविधाघरों की हालत किसी से छिपी नहीं है। नल टूटे हैं, पानी नदारद है और गंदगी और बदबू इतनी कि उनमें प्रवेश करने की हिम्मत जुटा पाना आसान नहीं। स्वच्छता सर्वे की टीम को सभी अच्छा-अच्छा दिखा कर रवाना कर दिया जाता है। कभी बाहरी इलाकों में भी टीम को घुमाकर देखिए!

अब बात शहर में बढ़ते अपराध की। चैन स्नेचिंग, चाकूबाजी, धमकाने, हत्याएं और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसे अपराध जिस गति से बढ़े हैं, उन्हें देख-सुन कर हैरत होती है। शांत और सुकून वाले इंदौर को आखिर किसकी नजर लग गई। लगभग दो दशक पहले इंदौर में ऐसा वातावरण नहीं था। आबादी बढ़ने के साथ अपराधों की संख्या में इजाफा हुआ। इसे देखकर ही शहर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली शुरू की गई थी। कहा यह गया था कि इससे अपराधों में कमी आएगी। शहर को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर क़ानून-व्यवस्था पर नजर रखने की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई। लेकिन, शहर में बढ़ते अपराधों से ऐसा लगने लगा है कि यहां क़ानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों की ज्यादा चल रही है।

नशे का कारोबार चरम पर है, युवा पीढी इसकी चपेट में भविष्य खराब कर रही है, कम उम्र के लड़के हथियार लिए न केवल घूम रहे हैं, बल्कि नशे की वजह से उन्हें चलाने में भी नहीं हिचक रहे। पूर्व में पुलिस हथियार लेकर घूमने वाले अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाती थी। नशे के कारोबारियों पर भी कार्रवाई होती थी। अब चाकूबाजी और नशे में किए गए अपराधों की जितनी ख़बरें सुनने को मिल रही हैं, उससे आधी भी संबंधितों पर कार्रवाई की सुनने नहीं मिलती। क्या शहरवासियों को यह मान कर कहीं और बसने की तैयारी कर लेना चाहिए कि अब व्यवस्था में सुधार होने की कोई गुंजाइश नहीं है।

सर्दी के मौसम में मालवा में पतंग उड़ाने का चलन है। इन दिनों खूब पतंगबाजी हो रही है। साथ ही पतंगबाजी में मीर रहने के लिए चाइना का खतरनाक मांझा खुलकर उपयोग हो रहा है। नायलॉन से बने इस मांझे से अनेक राहगीरों को गंभीर चोटें लग चुकी हैं। हाल ही में एक युवा जान से भी हाथ धो बैठा। प्रतिबंधित होने के बावजूद चाइना का मांझा पतंगबाजों को कैसे मिल जाता है और पुलिस और प्रशासन के हाथ क्यों नहीं लग पाता! लाख टके का सवाल यही है। यदि इस मामले में सख्ती नहीं बरती गई तो न जाने और कितने लोग घायल होंगे और कितनों की कीमती जान जोखिम में पड़ेगी।

लाला लाजपत राय की जयंती पर विशेष

डॉ. रामेश्वर मिश्र

लालाजी का राष्ट्र चिंतन

लालाजी ने युवाओं को राष्ट्रीय शिक्षा से जोड़ने के लिए लाहौर में राष्ट्रीय कॉलेज की स्थापना की और तिलक स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स की भी स्थापना की तथा इसके विकास के लिए तिलक स्वराज फंड की स्थापना की, लाला लाजपत राय भारतीय राष्ट्र को शक्ति संपन्न एवं आजादी के संघर्ष की दिशा को सशक्त बनाने के लिए अपने वैचारिक ज्ञान को पुस्तकों के माध्यम से मूर्त रूप दिया, जिससे बड़े पैमाने पर युवाओं को राष्ट्रीय विचारधारा से जोड़ा जा सके। लाला लाजपत राय ने-यंग इंडिया, इंग्लैंड डैट टु इंडिया, दी पॉलिटिक्स फ्यूचर ऑफ इंडिया एवं अपनी आत्मकथा स्टोरी ऑफ माई लाइफ लिखी जिससे भारतीय जनमानस को अपने विचारों से जोड़ा जा सके। लाला लाजपत राय ने भारतीय युवाओं को सशक्त और संघर्ष की विचारधारा से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया। लालाजी ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि-अतीत को देखते रहना व्यर्थ है, जब तक उस अतीत पर गर्व करने योग्य भविष्य के निर्माण के लिए कार्य न किया जाय। लाला जी युवाओं से अतीत के ज्ञान को भविष्य के लिए पथ प्रदर्शक बनाने पर जोर दिया करते थे। जिससे एक श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण में 'अतीत का ज्ञान', पथ प्रदर्शक बन सके।

भारतीय इतिहास में तारीखों का अपना महत्व है, तारीखें हमें भूली हुई स्मृतियों को पुनर्जीवित करने में सार्थक भूमिका का निर्वहन करती हैं। हम कौन हैं? हमारे लक्ष्य क्या है ? हमारी संस्कृति क्या है ? हमारे संघर्ष क्या थे ? इन किंचित विचारों को हमसे जोड़ने का कार्य इतिहास करता है। इतिहास हमें जीवन मूल्यों को बतलाता है कि हम जो आज स्वतंत्रता पूर्वक रह रहे हैं और जिस आजादी के नाम पर राष्ट्र की एकता और अखंडता को क्षति पहुँचाने की कोशिश की जाती है, उस आजादी के लिए हमारे देश के वीर सपूतों ने कितने बलिदान दिए हैं। इसी भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के नायक लाला लाजपत राय जी को इतिहास में पंजाब केसरी और शेर-ए-पंजाब के नाम से याद किया जाता है। लाला जी का जन्म 28 जनवरी 1865 ईस्वी को पंजाब के मोगा जिले के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। लालाजी एक महान राष्ट्रवादी और आधुनिक भारत के अग्रणी नेताओं में से एक थे। लालाजी स्वार्थ से रहित देशभक्त, उच्च कोटि के परोपकारी, शिक्षा शास्त्री, धार्मिक सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता और राष्ट्रीय आंदोलन के अग्रणी नेता थे। लालाजी ने देश के विकास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय एकता के लिए हिंदू मुस्लिम एकता के महत्व पर बल दिया। लालाजी ने देश के सशक्त विकास एवं सांस्कृतिक रूप से शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को लक्ष्य करके उनके शिक्षा के विकास को अपने कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान दिया।

लालाजी ने युवाओं को राष्ट्रीय शिक्षा से जोड़ने के लिए लाहौर में राष्ट्रीय कॉलेज की स्थापना की और तिलक स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स की भी स्थापना की तथा इसके विकास के लिए तिलक स्वराज फंड की स्थापना की, लाला लाजपत राय भारतीय राष्ट्र को शक्ति संपन्न एवं आजादी के संघर्ष की दिशा को सशक्त बनाने के लिए अपने वैचारिक ज्ञान को पुस्तकों के माध्यम से मूर्तरूप दिया, जिससे बड़े पैमाने पर युवाओं को राष्ट्रीय विचारधारा से जोड़ा जा सके। लाला लाजपत राय ने-यंग इंडिया, इंग्लैंड डैट टु इंडिया, दी पॉलिटिक्स फ्यूचर ऑफ इंडिया एवं अपनी आत्मकथा स्टोरी ऑफ माई लाइफ लिखी जिससे भारतीय जनमानस को अपने विचारों से जोड़ा जा सके। लाला लाजपत राय ने भारतीय युवाओं को सशक्त और संघर्ष की विचारधारा से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया। लालाजी ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि-अतीत को देखते रहना व्यर्थ है, जब तक उस अतीत पर गर्व करने योग्य भविष्य के निर्माण के लिए कार्य न किया जाय। लाला जी युवाओं से अतीत के ज्ञान को भविष्य के लिए पथ प्रदर्शक बनाने पर जोर दिया करते थे। जिससे एक श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण में 'अतीत का ज्ञान', पथ प्रदर्शक बन सके।

लालाजी ने भारत को एकीकृत राष्ट्र बनाने के लिए एकीकरण का कार्य प्रारंभ किया जिसके लिए उन्होंने हिंदी को भाषा के रूप में महत्वपूर्ण स्थान दिया उन्होंने हिंदी को आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण हथियार के रूप में अपनाया। लालाजी ने हिंदी भाषा में-शिवाजी, श्री कृष्ण, अशोक, शिवजी, स्वामी दयानंद, गैरीबाल्डी आदि रचनाएं लिखी।

लालाजी ने 1905 ई से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जोर-शोर से भाग लेना शुरु कर दिया था। लाला लाजपत राय को उग्र राष्ट्रवाद के विकास में पंजाब में वही स्थान प्राप्त है, जो महाराष्ट्र में तिलक को प्राप्त था। 1905 में कांग्रेस के बनारस अधिवेशन में लाला जी ने घोषणा की कि -

भारतवासी यदि आजादी प्राप्त करना चाहते हैं तो उसे अंग्रेजों से भिक्षावृत्त की प्रवृत्ति का परित्याग करना पड़ेगा और अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा। लालाजी के ये उद्घोष भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के लिए स्वावलंबन एवं आत्मसम्मान का संदेश था, यह स्वतंत्रता संघर्ष में याचना का त्याग करने का आवाहन था, यह संदेश भारतवासियों द्वारा खूब पसंद किया गया। लालाजी की ख्याति राष्ट्रीय नेताओं की हो गई। लालाजी ने राष्ट्र संघर्ष के लिए देशवासियों से राष्ट्रहित में कार्य करने और सामाजिक उत्तरदायित्व को समझने और राष्ट्र के लिए कार्य करने का आवाहन किया, राष्ट्रवादियों को संदेश देते हुए लालाजी ने कहा कि भारतवासियों का पहला धर्म देश भक्ति है और उनकी उपाधि देवी, मातृभूमि है। लालाजी ने देशवासियों से मातृभूमि की स्वतंत्रता की अभिवृद्धि पर तन, मन एवं धन की आहुति देने का संकल्प लेने का आवाहन किया और यह अपील की कि-हमेशा उदंत लक्ष्य राष्ट्र की स्वतंत्रता का होना चाहिए। लाला जी का मानना था कि हमारी देश के प्रति निस्वार्थ भक्ति ही हमारा धर्म होना चाहिए। राष्ट्रीय विकास और राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए लालाजी के विचारों में लोकतांत्रिक शक्ति को स्थान प्राप्त था, उन्होंने लोकतंत्र का हमेशा समर्थन किया और लोकतांत्रिक आदर्शों एवं मूल्यों के हमेशा हिमायती रहे।

लाला लाजपत राय आजीवन लोकतांत्रिक आदर्शों में आस्था रखने के साथ अन्याय एवं शोषण का विरोध किया जो भारतीय राष्ट्र के स्वतंत्रता एवं विकास के लिए आवश्यक था। सामाजिक जीवन में आदर्श मूल्यों का ध्यान रखते हुए उन्होंने राष्ट्र के उपेक्षा की निंदा की, लाला जी एकता की भावना को राष्ट्र के विकास का आधार मानते थे और समूल राष्ट्र को एकता की डोर में बांधना चाहते थे। लाला जी के जीवन में सामाजिक आदर्श मूल्यों का समन्वय था, उन्होंने हमेशा राष्ट्र की एकता के लिए गहरा चिंतन व्यक्त किया। हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई सब को साथ जोड़ने के लिए कार्य किया। लाला जी का कहना था कि एक सच्चे लोकतंत्र में शोषण, आडंबर और ऊंच-नीच का स्थान नहीं होना चाहिए। समाज के सभी सदस्यों को भोजन, वस्त्र, आवास की समुचित सुविधा हो तथा अपने विकास के लिए समुचित अवसर मिलना चाहिए। लाला जी ने राष्ट्रहित के लिए सामाजिक जीवन के आदर्शों को हमेशा स्थान दिया और भारतीय राष्ट्र के सांस्कृतिक मूल्यों को सामाजिक व्यवस्था के विकास एवं सामंजस्य के लिए एक आधार माना। लालाजी एक सच्चे लोकतंत्रवादी थे, आत्मनिर्णय के अधिकार का उन्होंने सदैव समर्थन किया, लाला जी के अनुसार प्रत्येक राष्ट्र को अधिकार होना चाहिए कि अपनी इच्छा अनुकूल अपने आदर्शों का निर्धारण करें और उन पर आचरण करके सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा का विकास करें।

लाला जी के व्यक्तित्व पर बोलते हुए डॉक्टर वर्मा ने लिखा है कि वह कुशल एवं अनुभवी राष्ट्रवादी और आधुनिक भारत के एक अग्रणी राजनीतिक नेता थे, लाला जी के विचारों का पुंज युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत था उनके व्यक्तित्व में समाज के हर तबके के लिए कल्याण की भावना थी। राष्ट्र की रक्षा लाला जी के लिए सर्वोपरि थी, उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन की लड़ाई में ऊंच-नीच, जात-पात के बीच की लकीर को मिटाने का कार्य किया, उनके राष्ट्रीय विचारों की भूमिका वर्तमान के राष्ट्र के निर्माण के लिए एक दिशा निर्देश है, ऐसे भारत माँ के वीर सपूत लाला जी की जयंती पर शत-शत नमन।

स्मृति शेष

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्तंभकार हैं।

मोहन हीराबाई हीरालाल : ग्राम स्वराज के प्रेरणा स्रोत

गांधीवादी और वन अधिकार कार्यकर्ता मोहन हीराबाई हीरालाल का 23 जनवरी 25 को नागपुर के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे गढ़चिरौली जिले के लेखा-मेंढा गांव में 'मावा नाटे मावा राज' आंदोलन के स्तंभ थे। गांधी-विनोबा के परिवर्तन के सिद्धांत न केवल प्रयोगात्मक थे, बल्कि उन्होंने लेखा-मेढा में आंदोलन के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया था कि वे किस प्रकार व्यावहारिक हो सकते हैं। लेखा-मेंढा गांव की ग्राम सभा ने अपने आसपास के जंगल के लिए वन अधिकार प्राप्त किया था, और मोहनभाई ने इसके लिए तीस साल तक लड़ाई लड़ी, जो कि सर्वोच्च न्यायालय तक गई।

मोहन हिराबाई हिरालाल एक समर्पित कार्यकर्ता थे, जिन्होंने बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा के, आदिवासियों, जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संपूर्ण निष्ठा और जोश के साथ रचनात्मक लड़ाई लड़ी। वे गांधीजी-विनोबाजी के 'जनशक्ति' सिद्धांत में गहरी आस्था रखते थे और उनके विचारों को व्यवहार में लाकर 'ग्राम स्वराज' की अवधारणा को साकार किया।

मोहन हिरालाल मूल रूप से विदर्भ के चंद्रपुर जिले के निवासी थे। 1970 के दशक में जयप्रकाश नारायण के 'संपूर्ण क्रांति' आह्वान ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और वे सामाजिक कार्यों से जुड़ गए। वे जयप्रकाश नारायण की 'छात्र युवा संघर्ष वाहिनी' के सक्रिय सदस्य बने। गांधी और विनोबा के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने गढ़चिरौली जिले के मेंढ़ा (लेखा) गांव में ग्राम स्वराज की अवधारणा को मूर्त रूप दिया।

1984 में उन्होंने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में 'वृक्षमित्र' संस्था की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने वन संरक्षण, स्थायित्व, समानता और सुरक्षा जैसे तीन प्रमुख मुद्दों पर प्रभावी और व्यवस्थित प्रबंधन को अपनाया।

मोहन हिरालाल ने गढ़चिरौली जिले के मेंढ़ा (लेखा) गांव में 'मावा नाटे मावा राज' आंदोलन की नींव रखी, जिसका उद्देश्य था - ग्राम सभा को अधिक समावेशी, सहभागितापूर्ण और सक्रिय बनाना। उनके प्रयासों से गांव में महिला भागीदारी, शराबबंदी, वन संरक्षण और अधिकार, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई, सांस्कृतिक अधिकार, युवा सशक्तिकरण, स्थिरता, समानता और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। मोहनभाई ने ग्रामीणों में जंगल पर उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा की। इससे स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सहभागी वन प्रबंधन को लोकप्रिय बनाने में मदद मिली।

तीन दशकों की सतत कानूनी लड़ाई के बाद, 2009 में वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत मेंढ़ा (लेखा) और मार्डा गांवों को सामुदायिक वन अधिकार प्रदान किए गए। इस सफलता ने स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सहभागी वन प्रबंधन को लोकप्रिय बनाया।

2013 में मोहन हिरालाल और ग्रामीणों के अथक प्रयासों के बाद मेंढ़ा (लेखा) को 'महाराष्ट्र ग्रामदान अधिनियम 1964' के तहत ग्रामदान गांव घोषित किया गया। यह 35 वर्षों में देश का पहला ग्रामदान गांव बना। इस गांव ने 'दिल्ली-मुंबई में हमारी सरकार, गांव में हम ही सरकार' के नारे को साकार कर दिखाया।

मेंढ़ा (लेखा) गांव ने वह उपलब्धि हासिल की जो पहले किसी गांव ने नहीं की थी। इस गांव की 500 की आबादी वाली ग्राम सभा की वार्षिक आय 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह सफलता अन्य गांवों के लिए मार्गदर्शक बनी।

उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित 'जमनालाल बजाज पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

मोहन हिरालाल ने अपने जीवन में सादगी और सर्वोदय के सिद्धांतों का पालन किया। वे स्वनामधन्य होकर माता-पिता का नाम अपने आगे लगाने के प्रेरणास्रोत बने। 1978 में उन्होंने यह परंपरा शुरू की, जिससे प्रेरित होकर कई अन्य लोगों ने भी इसे अपनाया।

हाल के दिनों में उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई है। हाल ही में नागपुर में उनके 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया गया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से वे इसमें शामिल नहीं हो सके। उस समय गढ़चिरौली जैसे दूरदराज के इलाकों से जुटी भीड़ उनके काम का प्रमाण थी।

डॉ. लता प्रतिभा मधुकर ने मोहन हिरालाल को याद करते हुए कहा कि वे 48 वर्षों से जन आंदोलन में उनके करीबी साथी रहे। उन्होंने जंगल और आदिवासी लोकतांत्रिक विरासत बचाने की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'मोहन एक बहुत संवेदनशील और प्यारा दोस्त था, जो प्रकृति से प्यार करता था, खूब घुमक्कड़ था और सर्वोदय के अनुशासन को निभाता रहा। सादगी भरा जीवन भी कितना सुंदर हो सकता है, इसकी मिसाल थे मोहन हीराबाई हीरालाल।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'चार दशकों तक उन्होंने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और चंद्रपुर जिलों में अथक काम किया। उनके समर्पण ने 27 अप्रैल 2011 को मेंढ़ा (लेखा) को देश की पहली ग्राम सभा बनने का मार्ग प्रशस्त किया, जिसे सामुदायिक वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत बांस के व्यापार के सभी पहलुओं पर पूर्ण नियंत्रण मिला। वे पक्के गांधीवादी थे, जो विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से प्रेरित थे। चार दशकों तक महाराष्ट्र के गढ़चिरौली ज़िले में वह बिना थके लगातार मेहनत करते रहे।'

मोहन हीरालाल का सर्वोदय प्रेस सर्विस (सप्रेस) के साथ भी लंबा जुड़ाव रहा है। 80-90 के दशक में ग्राम स्वराज्य के प्रयोग पर उन्होंने कई आलेख सप्रेस के साथ भी साझा किये और उनके अनुभवों को सप्रेस द्वारा प्रसारित किया जा रहा। जन आंदोलनों के दौरान उनका मध्यप्रदेश प्रवास भी होता रहा और उन्होंने सप्रेस को अपनी भेंट दी।

मोहन हीराबाई हीरालाल का जीवन एक प्रेरणास्रोत है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से ग्राम स्वराज की अवधारणा को साकार किया। उनका कार्य और विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी हैं।

जिले में हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

प्रभारी मंत्री ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज, परेड की सलामी ली

बैतूल। जिले में 76 वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास, उमंग और पूरी गरिमा के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के संदेश का वाचन किया। संदेश वाचन के पश्चात आनंद और उल्लास के प्रतीक रंगीन गुब्बारे हवा में मुक्त विचरण के लिए छोड़े। हर्ष फायर के तत्पश्चात परेड दलों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया गया। मुख्य समारोह में विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, श्री सुधाकर पंवार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया सहित गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण एवं अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य श्रीमती कृष्णा हजारे ने किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री पटेल द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इसके पश्चात विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने आकर्षक पीटी का प्रदर्शन किया तथा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुतियां- देश भक्ति की भावना को प्रबल करते हुए विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आरडी पब्लिक स्कूल कालापाठा द्वारा वंदे मातरम गीत पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजाति कन्या छात्रावास बैतूल द्वारा देखो देखो कौन आया, भूमि का मालिक आया रे गीत पर नृत्य की प्रस्तुति ने द्वितीय स्थान तथा जयतु-जयतु भारत गीत पर मानसरोवर स्कूल बडोरा की नृत्य प्रस्तुति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री पटेल द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

प्रभारी मंत्री नन्हीं त्रिवेणी और आकृति के साथ थिरके- प्रभारी मंत्री श्री पटेल अनुसूचित जाति एवं जनजाति कन्या छात्रावास बैतूल की मनमोहक प्रस्तुति के दौरान नन्हीं छात्राओं के नृत्य से इतने प्रभावित हुए कि वे स्वयं को रोक नहीं पाए और कक्षा दूसरी की छात्रा त्रिवेणी और कक्षा तीसरी की छात्रा आकृति के साथ कदम ताल किया और बच्चों का उत्साहवर्धन कर 5 हजार की प्रोत्साहन राशि दी।

आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन, जिला जेल की झांकी रही प्रथम- समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक झांकियां का प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा टी बी मुक्त भारत अभियान, कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती वर्तमान की आवश्यकता, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किशोर न्याय प्रणाली, जल निगम व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, संभावनाओं का क्षितिज स्वालंबन से रोजगार की ओर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा औद्योगीकरण की ओर अग्रसर बैतूल आयुष विभाग द्वारा ÷पहला सुख निरोगी काया, शिक्षा विभाग द्वारा सीएम राइस स्कूल, वन विभाग द्वारा पानी और जैव विविधता और नगर पालिका बैतूल द्वारा स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना की थीम पर आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। झांकियों में जिला जेल की झांकी प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर शिक्षा विभाग की झांकी तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की झांकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ग्रुप परेड दल में यह रहे विजेता

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रुप परेड दल ए, बी, सी, डी चार श्रेणियों में परेड की प्रस्तुति दी गई। परेड दल ग्रुप ए में प्रथम स्थान जिला पुलिस बल पुरुष, द्वितीय स्थान जिला होमगार्ड तथा तृतीय स्थान 13वी वाहिनी सी कंपनी शस्त्र बल ग्वालियर केम्प बैतूल ने प्राप्त किया। परेड दल ग्रुप बी में प्रथम स्थान पर जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय बैतूल एनसीसी सीनियर डिवीजन, द्वितीय स्थान पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई बैतूल एनएएस छात्रा जेएच कॉलेज बैतूल तथा तृतीय स्थान राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई बैतूल एनएसएस छात्र जेएच कॉलेज बैतूल ने प्राप्त किया। इसी प्रकार परेड दल ग्रुप सी में प्रथम शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल एनसीसी जूनियर डिवीजन, द्वितीय स्थान पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल एनसीसी जूनियर डिवीजन तथा तृतीय स्थान सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा बैतूल स्काउट गाईड ने प्राप्त किया। परेड दल ग्रुप डी में प्रथम स्थान आरडी पब्लिक स्कूल कालापाठा एनसीसी जूनियर डिवीजन, द्वितीय स्थान शौर्य दल महिला सशक्तिकरण महिला बाल विकास बैतूल तथा आरडी पब्लिक स्कूल कालापाठा एनसीसी जूनियर डिवीजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा मुख्य परेड कमांडर दिनेश मर्सकोले रक्षित केन्द्र, सहायक परेड कमांडर श्री गजेन्द्र केन थाना प्रभारी यातायात तथा पुलिस बैंड बैतूल, घोष दल भारत भारती जामठी को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने बच्चों के साथ किया भोजन

बैतूल। जिले में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग व प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल शासकीय नवीन हाई स्कूल हमलापुर में आयोजित विशेष भोज कार्यक्रम में शामिल हुए और स्कूली बच्चों के साथ भोजन किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री श्री पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्कूल परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और स्कूल के बच्चों के साथ ग्रुप फोटो खिचवाया। इस अवसर पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, सुधाकर पंवार, प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

खेल मैदान सुधरवाने पर डढोरे हुए सम्मानित

बैतूल। विगत कई वर्षों से शैक्षणिक गतिविधियों मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले ढोंडवाड़ा हाई स्कूल के शिक्षक मदनलाल डढोरे को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस ग्राउंड में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने सम्मानित किया । गौरतलब है कि श्री डढोरे ने हाई स्कूल ढोंडवाड़ा के खेल मैदान को सुधरवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई व वृक्षारोपण भी किया। गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार ,उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडागरे, भाजपा अध्यक्ष सुधाकर पवार, कलेक्टर अक्षत जैन ,पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि व अधिकारी नागरिक उपस्थित थे। श्री डढोरे को पुरस्कार मिलने पर शिक्षक साथियों व कर्मचारियों ने बधाई दी है।

पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश मिश्रा का श्रद्धांजलि कार्यक्रम आज

बैतूल/भौंरा। ग्राम पहावाड़ी के निवासी और पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश मिश्रा का स्वर्गवास 16 जनवरी गुरुवार को हो गया। उनके असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। स्व. श्री मिश्रा ने अपने राजनीतिक जीवन में भाजपा संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ समाज सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका श्रद्धांजलि कार्यक्रम (तेरहवीं) का कार्यक्रम आज मंगलवार 28 जनवरी को उनके निवास स्थान पर आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 12 बजे से प्रारंभ होगा। परिवार ने स्व. सतीश मिश्रा की ब्रह्मलीन आत्मा की शांति के लिए सभी परिचितों, शुभचिंतकों और ग्रामवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है। स्व. श्री मिश्रा अपने विनम्र स्वभाव और जनसेवा की भावना के लिए क्षेत्रवासियों के बीच लोकप्रिय थे। उनकी कमी को न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव और भाजपा संगठन में महसूस किया जा रहा है।

श्रीराम फार्मेसी कालेज में मनाया गया गणतंत्र दिवस

बैतूल। श्रीराम फार्मेसी कालेज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संस्था अध्यक्ष श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर संस्था संचालक ध्रुवप्रकाश अग्रवाल एवं श्रीमती अंजना अग्रवाल, श्रीमती अर्चना अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल,

प्राचार्य श्रीमती रोशनी खातरकर व सभी स्टाफ की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य रोशनी खातरकर एवं अर्चना अग्रवाल द्वारा देश भक्ति गीत एवं अंकित बिंजवे एवं छात्रा कुमुद आवठे द्वारा नृत्य की प्रस्तुती दी गई।

बैतूल में खानाबदोशों और कबाड़ियों पर पुलिस का जांच अभियान

बैतूल। पुलिस ने बाहरी प्रदेशों से आने वाले खानाबदोश परिवारों और कबाडियों के खिलाफ जांच अभियान शुरू किया है। एसपी निश्चल एन झारिया के निर्देश पर जिले के सभी 17 थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि बाहरी प्रदेशों से आने वाले कुछ खानाबदोश परिवार चोरी और लूट की वारदातों में संलिप्त हो सकते हैं। पुलिस के अनुसार इन परिवारों की महिलाएं दिन में गली-मोहल्लों और घरों की रेकी करती हैं, जिसके बाद पुरुष रात में वारदातों को अंजाम देते हैं। अभियान के तहत बैतूल कोतवाली, गंज, सारणी, शाहपुर, मुल्ताई और आमला समेत सभी थाना क्षेत्रों में डेरों की तलाशी ली जा रही है।

परम डिस्ट्रीब्यूटर रेत कंपनी ने स्कूलों में स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया

आधा दर्जन से अधिक स्कूलों में विद्यार्थियों को दी सामग्री

बैतूल। ब्लॉक के करीब आधा दर्जन से अधिक स्कूलों में परम डिस्ट्रीब्यूटर रेत कंपनी के अधिकारियों द्वारा स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल सामग्री वितरण की गई। इस अवसर पर ब्लॉक के करीब आधा दर्जन से अधिक ग्राम के सरकारी स्कूल में मेधावी एवं खेलकूद में होनहार विद्यार्थियों को नोटबुक, पेन, स्कूल बैग एवं पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान खनिज निरीक्षक भागवत सिंह नागवंशी, परम डिस्ट्रीब्यूटर रेत कंपनी के जनरल मैनेजर सतीश सिंह जादौन, मोहनलाल डुंबनी, मनु सिंह सिकरवार, प्रदीप साहू, नरेश जैन, अंकुर भदौरिया सहित कंपनी के कर्मचारी उपस्थित थे। परम डिस्ट्रीब्यूटर रेत कंपनी के चंद्रप्रकाश मिश्रा ने बताया कि हाई स्कूल फोफलिया में जनपद अध्यक्ष शिवशंकर मावसे, मंडल उपाध्यक्ष, सरपंच, सचिव उपस्थित थे। एकीकृत हाई स्कूल टांगनामाल में सरपंच राधा आहके और भाजपा नेता पप्पू आहके, विद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त स्टाफ उपस्थित था। शासकीय स्कूल खपरिया, धमनियां और सांगवानी में कंपनी द्वारा विद्यार्थियों को स्टेशनरी का वितरण किया गया। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला गुवाडी में सरपंच कुन्दो बाई बालकिसन, उपसरपंच के साथ विद्यालय परिवार उपस्थित था। एकीकृत शाला गुरगुंदा में सरपंच मीरा बाई धुर्वे के द्वारा विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया इस दौरान विद्यालय के शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित था। एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धपाड़ा में जनपद सदस्य भूरेलाल चौहान, उपसरपंच के द्वारा करीब 150 विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। परम डिस्ट्रीब्यूटर रेत कंपनी के जनरल मैनेजर सतीश सिंह जादौन ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री वितरण करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है, उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा लगातार सामाजिक कार्य किया जा रहे हैं।

भीमराव रामराव अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय में मनाया गणतंत्र दिवस

बैतूल। बीआरए अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय बैतूल में लोकतंत्र के राष्ट्रीय महापर्व के 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राम शिक्षा परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल द्वारा कॉलेज के भव्य भवनों के प्रांगण में ध्वजारोहण किया। महाविद्यालय के संचालक इंजीनियर ध्रुव प्रकाश अग्रवाल व इंजीनियर सर्वेश अग्रवाल एवं समस्त स्टाफ एवं बी.एड. स्कालर्स की उपस्थिति में प्राचार्य डॉ. जी. डी. देशमुख द्वारा भारत के गणतंत्र को मजबूत बनाये रखने के लिए प्रत्येक भारतीय नागरिक को अपने कर्तव्यों को ईमानदारी व निष्ठापूर्वक पूरा करने का आग्रह किया है। बी.एड स्कॉलर कुमारी श्रोती बारपेटे द्वारा 26 जनवरी के ऐतिहासिक दिवस पर गणतंत्र दिवस के महत्व को बताया। वरिष्ठ व्याख्याता सुनील वर्मा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

राष्ट्र की अखंडता का दायित्व हम सभी का: ऋषिराज सिंह परिहार

बैतूल। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार माय भारत पोर्टल नेहरू युवा केंद्र बैतूल प्रांगण में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाते हुए ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम ऋषिराज सिंह परिवार, एसआर कनाठे, सुशील उदयपुरे के आतिथ्य में और धनंजय सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर ऋषिराज सिंह परिवार ने कहा की ध्वजा रोहण जैसे कार्यक्रम वर्ष में दो बार गर्व और जोश के साथ मनाए जाते हैं। राष्ट्र की अखंडता का दायित्व हम सभी का है। धनंजय सिंह ने गणतंत्र दिवस के

विषय में जानकारी देते हुए कहा कि स्वतंत्रता हमें ऐसे ही नहीं मिली है इसके लिए अनेक महान क्रांतिकारियों ने अपने जान की कुर्बानी दी है। इस अवसर पर मलुकचंद पवार, संदीप राने, राकेश मन्यासे, अंकित मोहकार, तुषार यादव, प्रीति पाल, रेखा निनावे, राधेलाल बनखेड़े, तपेश साहू, अजय मिश्रा, मनोज रामनारायण श्रीवास, श्री गल्फट, अकित गवाड़े, सजय कलमे, ग्रीन आर्मी युवा मंडल के अध्यक्ष गजेन्द्र पवार, सजय पंडाग्रे, जितेश मालवीय, नौतिक राठौर, प्रतीक्षा जागंडे, नेहा पवार, भानप्रिया नागोरे, पायल माहोरे, नंदिनी नामदेव, सानिया शाह, विशाखा प्रीति पवार, तनिषा पवार, गायत्री मालवीय, सीता इग्ले आदि मौजूद थे।

स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

बैतूल। मां वैष्णवी सेवा समिति पाथाखेड़ा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी के संयुक्त तत्वावधान में बीएमएस कार्यालय पाथाखेड़ा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉ कविता कोरी स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रभारी बीएमओ घोड़ाडोंगरी डॉ माधुरी अखंडे और डॉ विशाल करोड़े के सहयोग से शिविर में लगभग 205 मरीज रक्त जांच के साथ लाभान्वित शिविर के संचालन में विशेष सहयोगी अध्यक्ष शिवा गुप्ता, उपाध्यक्ष उपकार विश्वकर्मा, सचिव डॉ कैलाश मालवीय, राधेश्याम बोरबन, कुणाल डेहरिया, नरेंद्र उघड़े, संजू अग्रवाल, नागेंद्र निगम, मो यासिन खान और राकेश राय रहे।

अवैध रेत उत्खनन पर वन विभाग की दो बड़ी कार्यवाहियों में ट्रैक्टर और रेत जप्त

बैतूल। तासी परिक्षेत्र के महुपानी बीट में वन विभाग ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित रेत जप्त की है। वनमण्डलाधिकारी दक्षिण वनमंडल, विजयानन्तम टी.आर. के मार्गदर्शन और वन परिक्षेत्र अधिकारी तासी दयानंद डेहरिया के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। 27 जनवरी को रात्रि गश्ती के दौरान महुपानी बीट के कक्ष क्रमांक 846 में रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई। जप्त ट्रॉली में 1.688 घन मीटर रेत पाई गई। इस मामले में ट्रैक्टर मालिक सुखदेव पिता रोवा निवासी कोल्हूढाना के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 की धाराओं के तहत कार्रवाई कर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसके पूर्व, 21 जनवरी को सुबह गश्ती के दौरान महुपानी के गोनीघाट बीट के कक्ष 856 (बोरनाला) क्षेत्र में एक ट्रैक्टर रेत से भरा हुआ पाया गया। इस ट्रैक्टर को जप्त कर 2.58 घन मीटर रेत को अपने कब्जे में लिया गया। ट्रैक्टर मालिक बबलू पिता वस्सी निवासी गोनीघाट के ट्रैक्टर सोनालिका के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (5) के तहत अवैध वनोपज उत्खनन और परिवहन करने पर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इन कार्रवाइयों में महुपानी परिक्षेत्र सहायक इख्तियार खान, ओंकारनाथ मालवीय, शिवनाथ बाघमारे, वनपाल विजय पिपरधे, वनरक्षक सचिन राजपूत, लेखराज धाकड़ के साथ सुरक्षा समिति के सदस्य भानु यादव, जिलालू परते, कारू यादव, विष्णु सेलुकर, संतुलाल यादव, गोलू यादव और सेवाराम यादव ने प्रमुख भूमिका निभाई।

सिवनी के कलाकारों ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से रानी दुर्गावती की वीरता, साहस और बलिदान की बताई गाथा

बैतूल। स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन, जिला प्रशासन तथा जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस की संध्या पर बैतूल के शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में लोकतंत्र का लोकोत्सव भारत पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, एसडीएम राजीव कहार, सहित अन्य जन प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भोपाल की गायिका सुश्री माला उईके और साथी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए

जिसमें ए मालिक तेरे बंदे हम, चिट्ठी आई है, आई चिट्ठी आई हैं, दिल दिया है जान भी देंगे, ए वतन तेरे लिए, वंदे मातरम गीतों की सुमधुर प्रस्तुत दी। माला उईके द्वारा प्रस्तुत ए मेरे वतन के लोगों गीत ने उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति की भावना को प्रबल किया। श्रोताओं ने गीत के माध्यम से वीर शहीदों की शहादत को याद कर उन्हें नमन किया। कलाकार डॉ.आलोक श्रीवास, प्रिया श्रीवास, आनिया श्रीवास, शिष्या भव्या ने वंदे मातरम, जननी जन्मभूमि, तिरंगा गाथा पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिवनी के कलाकारों ने रानी दुर्गावती की वीरता, उनके साहस और बलिदान को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया। कलाकारों की देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति से श्रोता भावुक हुए और रानी दुर्गावती की वीरता को नमन किया।

जुगलबंदी

समीर लाल 'समीर'

लेखक कनाडा निवासी प्रख्यात ब्लॉगर और वरिष्ठ व्यंग्यकार हैं।

उम्र बढ़ने के साथ-साथ समाज के बदलते संबोधन

2006 की बात है। तब नया नया ब्लॉग पर लिखना शुरू किया था। लिखना तो खैर क्या कहें ङ्क बातचीत जैसा कुछ भी छाप लेते थे और कुछ तुकबंदी टाइप कविता आदि भी। अखबार वगैरह में छपने का तो प्रश्न ही नहीं था। खुद का लिखा खुद के ब्लॉग पर छापने से भी कई बार खुद को मना कर देते थे यह कहते हुए कि कुछ कायदे का लिखो तब छापें। तब कुछ साथी ब्लॉगरों ने सलाह दी कि जब तक तुम सोचते हो कि लोग इस आलेख को बेवकूफी न समझें- छापे कि न छापे? तब तक तुमसे बड़ी बेवकूफियां लोग छाप कर मंच लूटे जा रहे हैं।

सलाह गांठ बांध ली। वो दिन है और आज का दिन है, कभी अपनी बेवकूफी छापने में न तो हिचकिचाए और न ही शरमाये और उससे भी बड़ी बात कि कभी अपनी बेवकूफी के सर्वश्रेष्ठ होने का घमंड भी नहीं किया तनिक भर भी। इसका नतीजा यह हुआ कि अपने ब्लॉग पर कुछ लिखा छपा कुछ पत्रिकाओं और अखबारों के संपादकों की नजरों से भी गुजरा।

संपादक पारखी होता है। वो खोज पा रहे थे कि सबसे कम बेवकूफी वाला कौन सा है और उसे छाप भी दे रहे थे। वो एक बार छापते और हम अपने पहचान वालों में सौ दफा बताते कि फलानी जगह छपे हैं। यह बताने का सिलसिला अनवरत तब तक चलता जब तक की फिर से कहीं और कोई दूसरा आलेख न छप जाए। जब इस बाबत अपनी पहचान में बताते तो ईमेल के सीसी में संपादक को भी रखते ताकि उन्हें पता रहे कि फेवर लौटाने के लिए हम देखो तुम्हारा कितना प्रचार कर रहे हैं। अक्सर तो संपादक एक ही चीज के लिए अपने प्रचार को इतनी बार देखकर घबराकर भी दूसरा आलेख खोज कर छाप देता ताकि प्रचार का मैटर तो बदले। वरना एक ही प्रचार को बार बार देखकर लोग बोरियत में हमारे आलेख के साथ साथ उनका अखबार और पत्रिका भी पढ़ना न छोड़ दे।

संपादक हैं तो संपादन किया यह दिखाना भी चाहिए अत: संपादक मुझसे कहते कि समीर, इसमें यह वाली लाईन बदल ऐसे कर लो और फिर मुझे भेजो तो पत्रिका के अगले अंक में लगाता हूँ। कई बार मन किया कि कह दें ङ्क भाई, आप ही बदल कर छाप दो मगर संस्कार आड़े आ गए और खुद सलाहानुसार बदल कर भेज कर छप लिए और ऐसे ही बार बार एक लाईन बदल कर छपते रहे। एक दो साल ऐसे ही वो छापते रहे और हम छपते रहे। करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ङ्क तो शायद लेखन कुछ कम बेवकूफी भरा होने लगा होगा और उम्र तो समय के साथ कदम ताल मिलाती ही है। गौर किया तो पाया कि वो संपादक महोदय अब मुझे समीर की जगह समीर भाई से संबोधित करने लगे। मुझे लगा शायद इतने दिनों के संबंध है अत: घनिष्ठता आना भी स्वाभाविक है। उम्र तो रुकती नहीं अत: और बढ़ी। लिखना भी लिखने वालों का कहाँ रुकता है तो वो भी बढ़ता रहा। समीर भाई समय के साथ साथ समीर जी हुए और फिर आदरणीय समीर जी। लेखन वही, पत्रिका वही - पंक्ति बदलने का सुझाव भी वही, यहाँ तक कि संपादक भी वही। कुछ नहीं बदला सिवाय हमारे सम्बोधन के।

पिछले सप्ताह जो ईमेल आई पंक्ति बदलने के लिए उसमें सम्बोधन था श्रद्धेय समीर लाल जी। इतने बरसों मे आज पहली बार मैं थमा और विचार किया इस बात पर कि निश्चित ही उम्र बढ़ने के साथ साथ समाज की नजर में आपके संबोधन बदलते जाते हैं।

जो कभी नाम के साथ पत्रिका में लिखते थे कि लेखक एक चर्चित ब्लॉगर हैं वो धीरे धीरे दर्जा चर्चित ब्लॉगर से कहानीकार से साहित्यकार से व्यंग्यकार से वरिष्ठ व्यंग्यकार तक ले आए। वो दिन दूर नहीं जब मैं पाऊँगा कि अब वो मुझे मानसमणी परम श्रद्धेय समीर लाल जी और दर्जे में 'व्यंग्य के मठाधीश' पुकार रहे हैं। एकाएक ख्याल आता है अगर मेरी उम्र बढ़ी है तो वो संपादक महोदय भी तो उम्र दराज हुए ही होंगे तब यह सम्बोधन परिवर्तन कैसा? कुछ मनन किया और कुछ चिंतन और तब जाना कि एसी कमरों में बैठे नेताओं की तरह ही यह संपादक भी चिरयुवा होते हैं, उम्र तो उनकी बढ़ती है जो वाकई में मेहनत कर पसीना बहा रहे हैं। फिर वो आम जनता हो या हम जैसा लेखक।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में संविधान संवाद और प्रदर्शनी

भोपाल। 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल में 27 से 29 जनवरी 2025 तक तीन दिवसीय संविधान प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा विकास संवाद समिति के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी और संवाद का उद्घाटन डायरेक्टर डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल और सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक पंकज शुक्ला ने किया।

विकास संवाद की 'संविधान संवाद' श्रृंखला के तहत यह प्रदर्शनी प्रख्यात कार्टूनिस्ट मंसूर नकवी के बनाए कैरिकेचर से संयोजित है। संविधान की निर्माण प्रक्रिया, प्रस्तावना, संविधान सभा की बहस और महत्वपूर्ण प्रावधान पर एकाग्र इस प्रदर्शनी के आयोजन पर संस्थान डायरेक्टर डॉ. अग्रवाल ने डिपार्टमेंट को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत की समझने के लिए इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ इंदु पांडेय, सीनियर फैकल्टी प्रो. अनीता देशपांडे, डॉ. सोनम गोयल, डॉ. ज्योति कौरव, डॉ. शालिनी सिंह बघेल, डॉ. ओंकार तिवारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर तीन दिवसीय व्याख्यान का भी आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक पंकज शुक्ला ने विद्यार्थियों के साथ संविधान की प्रस्तावना के निर्माण और संवैधानिक मूल्यों के महत्व पर संवाद किया। 28 जनवरी को अधिवक्ता प्रत्यूष मिश्र कानून का शासन और 29 जनवरी को संविधान अध्येता सचिन कुमार जैन संविधान निर्माण की प्रक्रिया पर संवाद करेंगे।

स्मार्ट सिटी कार्यालय में सीईओ मीना ने किया झंडा वंदन

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर रविवार को भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के गोविन्दपुरा स्थित कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री केएल मीना ने झंडा वंदन किया। झंडा वंदन के तुरंत बाद राष्ट्रगान हुआ और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मीना ने उपस्थित कर्मचारियों व अधिकारियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

भोपाल में भीख नहीं देने पर भिखारी ने की अभद्रता,एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल की एमपी नगर पुलिस ने भिखारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। भीख नहीं मिलने पर भिखारी ने एक युवक के साथ अभद्रता की थी। युवक की शिकायत पर पुलिस ने भिखारी को हिरासत में लिया। हालांकि, सोमवार को उसे थाने से ही नोटिस देकर छोड़ दिया गया है।

थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि घटनाक्रम 25 जनवरी का है। योगेंद्र भलावी शनिवार को गाड़ी से बोर्ड ऑफिस की तरफ आ रहे थे। बोर्ड ऑफिस स्थित सिग्नल पर एक युवक उनके पास आया और भीख मांगने लगा। भिखारी देखने में हष्ट-पुष्ट था। इसलिए योगेंद्र ने उससे कह दिया- इतने हट्टा कट्टा होने पर भीख मांगते हो।

यह सुनते ही भिखारी ने उससे अभद्रता कर दी। थाने पहुंची योगेंद्र ने पूरी कहानी पुलिस को बताई। पुलिस ने भिक्षावृत्ति निषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पूछताछ में आरोपी भिखारी ने पुलिस को बताया कि वह कई साल से भोपाल में भीख रहा है। समय-समय पर इलाका बदलता रहता है। अब पुलिस उसका रिकॉर्ड खंगालने में लग गई है।

मनकामेश्वर मंदिर के पुर्नरूद्धार कार्य को शीघ्र पूरा करें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जन सहयोग से किये जा रहे मनकामेश्वर भगवान के मंदिर का पुर्नरूद्धार कार्य आगामी दो माह में पूरा करायें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंदिर पुनरुद्धार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर को व्यवस्थित व सौन्दर्यीकृत किये जाने की भी बात कही। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के भगवान मनकामेश्वर की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंदिर पुर्नरूद्धार कार्य में जन सहयोग हेतु साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि बड़े कार्य भी जन सहयोग से हो सकते हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि लोगों का सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा।

रवींद्र भवन में लोकरंग का शुभारंभ

राज्यपाल बोले- बच्चे और युवा संस्कृति से सदैव जुड़े रहे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रवीन्द्र भवन परिसर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 40वें लोकोत्सव 'लोकरंग' का शुभारंभ किया। मंच का संचालन विनय उपाध्याय ने किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि, हमारे प्रदेश की संस्कृति बहुत समृद्ध है और इसे संरक्षित रखने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। मोदी जी की सरकार के कार्यकाल में प्रदेश सरकार ने आध्यात्मिकता और संस्कृति के पुनर्जागरण के लिए विशेष कदम उठाए हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे बच्चे और युवा पीढ़ी हमारी संस्कृति से हमेशा जुड़ी रहे।

संस्कृति विभाग की जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी की ओर से लोकरंग का आयोजन किया जा रहा है। जो 26 से 30 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम में बॉलीवुड और थिएटर कलाकार मुकेश तिवारी भी शामिल हुए। 40वें लोकोत्सव 'लोकरंग' में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने पुरस्कार वितरण भी किया।

राज्यपाल ने कलाकारों से की बातचीत- राज्यपाल ने पौराणिक वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और द्वार पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करने वाले कलाकारों से बातचीत की। इस अवसर पर राज्यपाल ने पुरस्कार वितरण भी किया। प्रथम पुरस्कार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को प्रदान किया गया, जबकि दूसरा पुरस्कार स्पेशल टास्क फोर्स को और तीसरा पुरस्कार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को मिला।

नाटक में दिखाया गया कि रानी दुर्गावती हर प्रकार के शस्त्र चलाने में निपुण थीं और उन्होंने अपने साहस और कौशल से हर किसी को प्रभावित किया।

रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित नृत्य-नाट्य की प्रस्तुति- कार्यक्रम के दौरान गोंड साम्राज्य की रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नाटक में पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और विभिन्न जनजातियों की समृद्ध संस्कृति की झलक देखने को मिली।

संचालक संस्कृति एन.पी नामदेव ने बताया कि, समारोह के पहले दिन 26 जनवरी को शुभारंभ अवसर पर वीरांगना रानी दुर्गावती नृत्य-नाट्य की प्रस्तुति की गई। 27 से 29 जनवरी दोपहर 2 बजे से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन एवं प्रदर्शन भी किया जाएगा। समारोह पारम्परिक नृत्य, गायन-वादन, शिल्प और व्यंजन मेला केन्द्रित होगा।

दर्शकों ने देखी पराक्रम और प्रेम की कहानी- कार्यक्रम में रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित नृत्य और नाटक का मंचन किया गया। नाटक की शुरुआत में रानी दुर्गावती के माता दुर्गा के आशीर्वाद से जन्म लेने की कथा को दर्शाया गया। नाटक में दिखाया गया कि रानी दुर्गावती हर प्रकार के शस्त्र चलाने में निपुण थीं और उन्होंने अपने साहस और कौशल से हर किसी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में रानी दुर्गावती और गुना राज्य के राजकुमार दलपत शाह की प्रेम कहानी भी दिखाई गई। नाटक के अनुसार, गौड़ साम्राज्य में शेर के आतंक मचाने पर रानी दुर्गावती शिकार करने जंगल गईं, जहां उनकी मुलाकात दलपत शाह से हुई। इस दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

नाटक में जाति प्रथा के खिलाफ रानी दुर्गावती के विचार भी प्रस्तुत किए गए। उनके स्वयंवर के दौरान उन्होंने सामंत राजाओं को ठुकराकर दलपत शाह को अपना जीवनसाथी चुना। राजा दलपत शाह की बीमारी और उनके निधन के बाद रानी दुर्गावती ने बड़ी ही वीरता और कुशलता के साथ राज्य का संचालन किया। मालवा और अन्य राज्यों के आक्रमण के समय रानी दुर्गावती ने अपने पराक्रम से गज पर सवार होकर अपनी सेना के साथ बड़ी शांति और चतुरता से राज्य की रक्षा की।

नाटक में यह भी दिखाया गया कि जब समाज ने सती होने का दबाव डाला, तब रानी दुर्गावती ने इसे नकारते हुए अपने राज्य और प्रजा के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाया। उनकी वीरगाथा ने दर्शकों को प्रेरणा और गर्व से भर दिया।

300 से अधिक वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी- इस समारोह में 300 से अधिक शास्त्रीय, लोक और जनजातीय पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। 27 जनवरी को 'लोकरंग' के चालीस वर्षों की यात्रा को चालीस वाद्यों की संगति में नाद समन्वित प्रस्तुति के रूप में दर्शाया जाएगा, जिसका निर्देशन प्रसिद्ध सितार वादिका स्मिता नागदेव करेंगी।

इसके साथ ही, लोकवार्ता में संस्कृति विभाग द्वारा 'परंपरा में वाद्य' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। समारोह के अंतिम दिन, 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर माधवास रॉक बैंड, वृंदावन से भक्ति संगीत की प्रस्तुति होगी।

एम्स की डॉ. रागिनी ने 'पीसीओएस के प्रबंधन में एकीकृत चिकित्सा' विषय पर दिया व्याख्यान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के शरीर विज्ञान विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने एम्स रायपुर में आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम 'इन पीसीओएस ' में पीसीओएस के प्रबंधन में इंटीग्रेटिव मेडिसिन विषय पर संसाधन फैकल्टी के रूप में व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन एम्स रायपुर के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा रायपुर प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी के सहयोग से किया गया। पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) एक सामान्य हार्मोनल

विकार है जो प्रजनन आयु की महिलाओं को प्रभावित करता है। इसकी विशेषताओं में अनियमित मासिक धर्म चक्र, एंड्रोजन के उच्च स्तर, और पॉलीसिस्टिक अंडाशय शामिल हैं। पीसीओएस के कारण महिलाओं में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं जैसे बांझपन, मधुमेह एवं हृदय रोग होने का जोखिम बढ़ सकता है। डॉ. श्रीवास्तव ने पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के प्रबंधन में योग और प्राकृतिक चिकित्सा सहित इंटीग्रेटिव मेडिसिन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वर्तमान में, वह पीसीओएस प्रबंधन में योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रभाव पर आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना का नेतृत्व कर रही हैं। इस कार्यक्रम में मुंबई से ए.आर.टी. सलाहकार और एंडोस्कोपिक सर्जन, डॉ. प्रतीक ताम्बे द्वारा पीसीओएस के उपचार में इंसुलिन सेंसिटाइज़र की भूमिका पर भी चर्चा की गई। इसके बाद एक विचार-मंथन पैनल चर्चा हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने इस क्षेत्र में भविष्य के अनुसंधान मार्ग और बहु-केंद्रित सहयोगी अध्ययन की संभावनाओं का पता लगाया।

प्रो. सिंह ने इस तरह की भागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, एम्स भोपाल इंटीग्रेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में योगदान देने और रोगियों तथा वैज्ञानिक समुदाय के लाभ के लिए अंत:विषय सहयोग का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सीएमई के दौरान वैज्ञानिक चर्चाओं ने पीसीओएस प्रबंधन के भविष्य के बारे में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की और इस क्षेत्र में प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोग के नए मार्ग खोले।

एम्स भोपाल को नवाचार में सफलता

फैशिया डिसेक्शन डिवाइस को मिला पेटेंट

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान निरंतर चिकित्सा अनुसंधान में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। हाल ही में, एम्स भोपाल की शरीर रचना विभाग की प्रोफेसर, डॉ. सुनीता अठावले को हाल ही में उनके द्वारा विकसित किए गए। हैंडहेल्ड इलेक्ट्रिकली पावर्ड फैशिया डिसेक्शन डिवाइस के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। यह उपकरण मुख्य रूप से मेडिकल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए बनाया गया है, जो संरक्षित शरीरों पर अध्ययन करते हैं। जब शरीर को रसायनों से संरक्षित किया जाता है, तो उनके ऊतक (टिशू) सख्त हो जाते हैं, जिससे उन्हें काटना और अध्ययन करना मुश्किल हो जाता है। यह उपकरण इस समस्या को हल करने में मदद करता है और शरीर के अंगों व संरचनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से देखने में सहायता करता है। इस डिवाइस में एक वेरिएबल-स्पीड मोटर लगी है, जिसकी गति को जरूरत के अनुसार कम या ज्यादा किया जा सकता है, जिससे फैशिया (एक पतली झिल्ली जो मांसपेशियों और अंगों को ढकती है) को आसानी से और सटीक रूप से हटाया जा सकता है। इसके अलावा, इसमें एक नवीन प्रॉन्ग सिस्टम शामिल है, जो शरीर के ऊतकों को बेहतर तरीके से पकड़ने और हटाने में मदद करता है, जिससे शारीरिक संरचनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इस उपकरण का एर्गोनोमिक डिज़ाइन इसे पकड़ने और लंबे समय तक उपयोग करने के लिए आरामदायक बनाता है, जिससे हाथों में थकान कम होती है। इस डिवाइस का पेटेंट प्राप्त होना भारत में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रो. सिंह ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा, यह पेटेंट एम्स भोपाल की नवाचार और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हैंडहेल्ड इलेक्ट्रिकली पावर्ड फैशिया डिसेक्शन डिवाइस एक उन्नत उपकरण है, जो शैक्षणिक और चिकित्सा क्षेत्र को शारीरिक विच्छेदन से जुड़ी दीर्घकालिक चुनौतियों के लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रदान करेगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार में 75 लाख के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार को आदर्श वन्य विहार के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें निराश्रित और बीमार गौवंश को आश्रय और सुरक्षा देने के साथ रोजगार के नये अवसर भी मिल रहे हैं। गोबर से गोकाष्ठ, गोनाइल और जैविक खाद बनायी जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के बसामन मामा गौवंश वन्य विहार परिसर में जनभागीदारी से 75 लाख रुपए की लागत से कराए गए नवीन कार्यों का लोकार्पण किया। गायों को रखने के लिए

परिसर में नवनिर्मित चार शेड, वन्य विहार के अंदर 330 मीटर लंबी व 5 मीटर चौड़ी सीसी रोड सहित अन्य कार्य लोकार्पित कार्यों में शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने परिसर का भ्रमण कर वन्य विहार में किये जा रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में गौपूजन भी किया। अध्यक्ष नगर निगम रीवा श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी, सहित जनप्रतिनधिगण, अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल में लाउड स्पीकर को लेकर कार्रवाई

बोर्ड परीक्षा के चलते कलेक्टर का आदेश, रात में प्रतिबंध लगाया

भोपाल (नप्र)। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 4 दिन पहले लाउडस्पीकर और डीजे को लेकर आदेश जारी किए थे। इसके बाद फ्लाइंग स्क्वाड बनाकर सभी एसडीएम कार्रवाई के लिए मैदान में उतर गए। अब तक 70 से अधिक लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं।

कलेक्टर सिंह के जारी आदेश के मुताबिक, रात 10 से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार का साउंड सिस्टम बंद रहेगा। वहीं, डीजे यूनिट पर सिर्फ एक साउंड सिस्टम ही लगा सकेंगे। कलेक्टर सिंह ने यह प्रतिबंधात्मक आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी किए हैं। इसमें जिले के सभी धार्मिक स्थल, औद्योगिक, कमर्शियल, रहवासी में ध्वनि यंत्रों (लाउडस्पीकर, डीजे) के अनियंत्रित एवं नियम खिलाफ प्रयोग पर रोक लगाने की बात कही गई है।

कलेक्टर के आदेश में यह- सार्वजनिक आपात स्थिति को छोड़कर रात 10 से सुबह 6

बजे तक पूरे जिले में सभी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं तीव्र संगीत का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

सभी डीजे संचालक, होटल, रेस्टोरेंट और बार को डीजे यूनिट के संचालन का नियमानुसार लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा।

किसी भी डीजे यूनिट पर अधिकतम एक साउंड सिस्टम (जिनकी ध्वनि निर्धारित मापदंडों के अनुसार अथवा उससे कम का हो) का ही उपयोग किया जा सकेगा।

टीमें मैदान में उतरीं, धार्मिक स्थलों के लाउडस्पीकर भी उतार रही

कलेक्टर के आदेश के बाद एसडीएम के नेतृत्व में टीमें मैदान में उतर गई है। पिदले 4 दिन से कार्रवाई चल रही है। अकेले कोलार में ही 30 से ज्यादा लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं। गोविंदपुरा क्षेत्र में 17 लाउडस्पीकर हटाए गए। एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव ने बताया, कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। ताकि, बच्चों को परीक्षा की तैयारी करने में दिक्कतें न आए।

एडीएम से लेनी होगी परमिशन

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सुबह 6 से रात 10 बजे तक एडीएम, पुलिस उपायुक्त की अनुमति से किया जा सकेगा, लेकिन यह अनुमति 2 घंटे से अधिक की नहीं होगी। ध्वनि विस्तारक विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति कार्यक्रम परिसर में ही दी जाएगी। ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग के लिए दी गई अनुमति में भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लेख किया जाए।

यह होगी कार्रवाई

यदि किसी द्वारा इन प्रावधानों का उल्लंघन किया जाता है तो मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 15 एवं 16 के तहत शास्ति अधिरोपित करने एवं जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

॥ मंदिरम् ॥

22

चौरासी वाराही मंदिर, ओडिशा

चौरासी वाराही मंदिर, जिसे वाराही देउला के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राचीन माँ वाराही मंदिर है। यह मंदिर ओडिशा के चौराशी गाँव में प्राची नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। पुरी जिले में नीमपाड़ा-काकटपुर मार्ग पर, यह अमरेश्वर मंदिर से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर है। चौरासी वाराही मंदिर भारत के अन्य सभी माँ वहारी मंदिरों से अलग है। इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा को पूरे भारत में पाई जाने वाली देवी प्रतिमाओं में से एक माना जाता है। देवी वाराही, जिन्हें मत्स्य वाराही के नाम से भी जाना जाता है, इस मंदिर की अधिष्ठात्री हैं। यह मंदिर सोमवंशी शासन के दौरान 10वीं शताब्दी की पहली तिमाही में वाराही के सम्मान में बनाया गया था। मंदिर बलुआ पत्थर से बना है और इसका मुख पूर्व की ओर है।

चीतों की ऐतिहासिक पुर्नस्थापना से हम गौरवान्वित हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कर्तव्य पथ पर गूंजी मध्यप्रदेश की शान, चीतों की ऐतिहासिक वापसी बनी आकर्षण का केंद्र

भोपाल (नप्र)। 76वें गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय उत्सव में इस बार कर्तव्य पथ पर मध्यप्रदेश की झांकी ने देशवासियों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया 'एक्स' पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि चीतों का आगमन न केवल हमारे इको-टूरिज्म को प्रोत्साहन देगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। 'चीतों की ऐतिहासिक वापसी' पर आधारित झांकी ने न केवल राज्य की समृद्ध जैव विविधता को उजागर किया, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई 'चीता पुनर्वास परियोजना' की सफलता को भी उत्कृष्टता से रेखांकित किया। झांकी में कूनो नेशनल पार्क और वहां बसे चीतों को दिखाया गया, जिन्होंने मध्यप्रदेश को 'चीता स्टेट' के रूप में पहचान दिलाई है।

चीतों की ऐतिहासिक वापसी: मध्यप्रदेश की नई पहचान- वर्ष 2023 के सितंबर में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर कूनो नेशनल पार्क में

नामीबिया से लाए गए चीतों को पुर्नस्थापित कर एक नया इतिहास रचा। यह परियोजना भारत के वन्य-जीव संरक्षण के व्यापक प्रयासों में एक मील का पत्थर मानी जा रही है। चीतों के सफल पुनर्वास ने मध्यप्रदेश को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

पर्यावरण संरक्षण में चीता मित्रों की भूमिका- झांकी में चीतों के संरक्षण और पुनर्वास में अहम भूमिका निभाने वाले 'चीता मित्रों' को भी प्रमुखता से दिखाया गया। ये कर्तव्यपरायण कर्मयोगी, दिन-रात पर्यावरण और वन्यजीवों की रक्षा में जुटे रहते हैं। इनके अथक प्रयासों के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

इको-टूरिज्म को मिलेगा प्रोत्साहन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि चीतों की वापसी ने मध्यप्रदेश के इको-टूरिज्म को भी नई ऊर्जा दी है। राज्य में आने वाले पर्यटक अब कूनो नेशनल पार्क में इन दुर्लभ चीतों को देखने के रोमांचक अनुभव कर सकते हैं। यह पहल राज्य की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति में भी योगदान देगी। उन्होंने कहा है कि प्राणवायु देने वाले हमारे वनों, वनस्पतियों और वन्य प्राणियों के विकास एवं संरक्षण की दिशा में हमारे प्रयास हमेशा जारी रहेंगे।

झांकी ने किया दिलों पर राज- नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आज मध्यप्रदेश की झांकी को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वन्य जीवन, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देती म.प्र. की झांकी ने हर भारतीय को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास दिलाया। मध्यप्रदेश की यह झांकी केवल कला का प्रदर्शन नहीं, बल्कि प्रदेश के सतत् विकास लक्ष्यों की दिशा में किए जा रहे सार्थक प्रयासों का भी प्रतीक है।

महू में आयोजित कांग्रेस की जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली में राहुल गांधी बोले

50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण के लिए कानून बनाएंगे

इंदौर/महू (नप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि दलितों, पिछड़ों और गरीब जनरल कास्ट के लोगों को एक बार फिर गुलाम बनाया जा रहा है। आईआईएम, आईआईटी के लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। आपको कहां से मिलेगा।

उन्होंने कहा है कि मोदी जी जातिगत जनगणना कराने से डरते हैं। वे इसे कभी नहीं कराएंगे, लेकिन 50 फीसदी आरक्षण की दीवार को हम लोकसभा-राज्यसभा में तोड़ देंगे। कोई नहीं रोक सकता। हम पहले कांग्रेस शासित राज्यों में आरक्षण 50 परसेंट से ज्यादा करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाकर इस दीवार को तोड़ेंगे।

राहुल गांधी ने सोमवार को महू में आयोजित कांग्रेस की जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली को संबोधित किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इसमें शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाकुंभ में गंगा स्नान करने से गरीबी दूर नहीं होगी। भाजपा नेताओं

में डुबकी लगाने की होड़ मची है। बता दें कि महू में कांग्रेस की रैली में कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम, देशभर से आए कांग्रेस के कई नेता शामिल हुए। रैली के बाद राहुल गांधी डॉ. अंबेडकर स्मारक पहुंचे और डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे इंदौर रवाना हो गए। यहां से विशेष विमान से दिल्ली चले गए।

खड़गे बोले- भाजपा नेताओं में गंगा स्नान की होड़- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाकुंभ स्नान को लेकर कहा कि गंगा स्नान से गरीबी दूर नहीं होगी। भाजपा नेताओं में गंगा स्नान की होड़ लगी हुई है। लोग कॉम्पटीशन में डुबकी मार रहे हैं। जब तक टीवी में डुबकी अच्छी नहीं आती है तब तक डुबकी मारते रहते हैं। धर्म पर हम सभी की आस्था है। धर्म हम सभी के साथ है, लेकिन धर्म के नाम पर किसी समाज में गरीबों का शोषण होगा तो हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। खड़गे का यह बयान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने के ठीक बाद आया है।

हिंदी भवन में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। हिंदी भवन में 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कैलाशचंद्र पंत, मंत्री संचालक, हिंदी भवन की अध्यक्षता में तथा रघुनंदन शर्मा, पूर्व सांसद, पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, विजय जोशी, पूर्व ग्रुप महाप्रबंधक, भेल, शरद जोशी, डॉ. संजय सक्सेना, सह संचालक एवं सुश्री जया केतकी शर्मा, संयोजक इत्यादि के सान्निध्य में ध्वजारोहण समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन संपन्न हुआ।

सर्किट हाउस पर मंत्रियों के दरबारियों का कब्ज़ा

मध्य प्रदेश के एक बड़े ज़िले का प्रशासनिक अमला इन दिनों बेहद परेशान है। वजह भी वाजिब है...जिला मुख्यालय के दो में से एक सर्किट हाउस पर दो मंत्रियों के स्टाफ इन्हें लंबे समय से कब्जा कर रखा है.. जब से मध्यप्रदेश में नई सरकार बनी है

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

और इस संभाग के दो वरिष्ठ विधायक मंत्री बने हैं। तब से उनके स्टाफ ने 3-3 कमरे अपने लिए आरक्षित कर रखे हैं। जुडिशियरी से वास्ता रखने वाले इस जिले में 6 सजे धजे कमरों पर मंत्री स्टाफ का कब्जा होने से प्रशासनिक अधिकारी परेशान है कि बाहर से आने वाले अन्य अतिथियों के लिए अच्छे कमरे कहां से लाएं..?

माननीय का जलवा

जलवा हो तो ऐसा, मध्य प्रदेश में लंबे समय तक एक राजनीतिक दल की कमान संभालने वाले नेताजी ने हाल ही में हुए संगठन चुनाव में दमखम दिखा दिया. अधिकांश जिलों में तो वे अध्यक्ष बनवाने में कामयाब रहे ही बल्कि सबसे प्रतिष्ठा पूर्ण ग्वालियर में भी अध्यक्ष उन्हीं के खेमे का बना.. और अब चर्चा यह भी चल रही है की माननीय वर्तमान पद पर भी बने रह सकते हैं और इसकी वजह, उनका सगंठन में शानदार प्रदर्शन तो है ही साथ ही एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति होने से हाईकमान इन पर पुनः विश्वास कर सकता है और अब तो सरकार के मुखिया से भी पटरी बैठने लगी है।

देर रात लिस्ट हुई जारी

एक समय था जब मौसम विभाग बारिश का अनुमान लगाता था उस दिन बारिश बिल्कुल नहीं होती थी। वैसा ही नजारा मध्य प्रदेश में तबादलों लेकर बन गया.. कयास हर दिन लगते हैं और लिस्ट है कि आती ही नहीं.. बताया यह जा रहा है कि लिस्ट तो तैयार है लेकिन एक माननीय की अनुमति मिलते ही देर रात लिस्ट जारी हो गई थी। जिसमें 42 आईएएस अफसरों के तबादले जारी कर दिये।

अपने क्यों खामोश है ?

एक समय था जब बुन्देलखण्ड के इन नेता जी का जलवा था... सरकार में वरिष्ठ मंत्री कहलाते थे और मलाईदार मंत्रालय भी उनकी मन मर्जी का था... लेकिन जब से परिवहन का खाता खुला है तब से नेताजी मुसीबत में पड़ गए हैं..कांग्रेस ने तो जैसे नेताजी का राजनीतिक बोरिया बिस्तर गोल करने का ही मन बना लिया है। 1-1 करके कांग्रेस के सारे नेता उनके पीछे पड़ गए हैं... हद तो ये है कि उनकी पार्टी की तरफ से कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कोई नहीं कर रहा है.. और जिनके भरोसे ये बुन्देलखंड के नेता राजनीति में दम भरते थे वे भी इस वक्त खामोश हैं और अपने पारिवारिक समारोह की तैयारियों में व्यस्त हैं।

IAS के नाम पर जालसाजी

मध्य प्रदेश के एक आईएएस की गिनती ईमानदार अफसरों में होती है वे जिस भी मैदानी जिले में रहे वहां उनके काम की प्रशंसा उनके जाने के बाद भी होती है। लेकिन इन अधिकारी महोदय के नाम का भी एक जालसाज ने इस्तेमाल कर लिया... उनके नाम पर कई संस्थाओं से आर्थिक हित साध लिये लेकिन जब कार्यक्रम नहीं हुआ और लोगों ने शिकायत की की। तब जाकर यह पोल खुली के एक ईमानदार आईएएस के नाम पर यह पूरा गोरखधंधा कर लिया गया।

मोदी का विजन और मोहन का मिशन

मध्य प्रदेश के दूरदर्शी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के एक साल पूरा होने पर यह टैग, उन पर पूरी तरह से फिट बैठ रही है। सरकार के एक साल पूर्ण होने पर एक माह तक चले जनकल्याण पर्व का आज जब इंदौर में समापन हुआ। मोहन यादव मोदी के विज़न को फॉलो करते नजर आए। मोदी जी ने भी काशी और अयोध्या में सफाई मित्रों साथ बैठकर भोजन किया था तो वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आज इंदौर को स्वच्छता में नंबर 1 बनाने वाले सफाई मित्रों को न केवल सम्मानित किया बल्कि उनको अपने हाथों से चरण पादुकाएं पहनाकर इंदौर वासियों का दिल जीत लिया।

सीनियर आईएएस बनेंगे डॉक्टर ?

मध्यप्रदेश सरकार में पुनर्वास इतना आसान नहीं है। एक पूर्व मुख्य सचिव के मामले में यह सभी ने देखा। उसी से प्रेरणा लेकर अब एक अपर मुख्य सचिव जो आने वाले समय में रिटायर हो रहे हैं उन्होंने भी पुनर्वास की प्रत्याशा छोड़ दी है और अपना मन पढाई में लगा दिया है। ऐसा सुनने में आ रहा है। कि वह जल्द ही डॉक्टर बनने की तैयारी में है एमबीबीएस डॉक्टर नहीं, पीएचडी वाले डॉक्टर बनेंगे। इसके लिए उन्होंने तैयारियां शुरू कर दी हैं। दिल्ली के एक इंस्टिट्यूट से वो डॉक्टर बन कर पर्यावरण पर काम करने के लिए आएंगे।

यात्री बस ने 8वीं की छात्रा को कुचला, मौत

स्कूटी पर सवार होकर चाउमिन खाकर घर लौट रही थी, छोटे भाई को मामूली चोट

भोपाल (नप्र)। न्यू जेल रोड स्थित सागर गैरे के सामने यात्री से भरी बस ने 15 साल की आठवीं कक्षा की छात्रा को चपेट में ले लिया। बस उज्जैन जा रही थी। हादसे में छात्रा बस के अगले टायर के नीचे दब गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के समय छात्रा का छोटा भाई भी स्कूटी पर सवार था। भाई को मामूली चोट आई हैं। वहीं आरोपी चालक घटना के बाद स्वयं थाने पहुंच गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसा रविवार रात करीब 8.30 बजे का है।

मुस्कान खान पुत्री नजीर खान (15) निवासी एहसान नगर करोंद प्राइवेट स्कूल में आठवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता नजीर ने बताया कि बेटी रविवार रात को चाउमिन खाने के लिए मेन रोड की तरफ गई थी। उसके साथ छोटा भाई अयान था। चाउमिन खाकर लौटते समय सागर गैरे के सामने से यू टर्न लेकर घर के लिए जा रही थी। जेल रोड होते हुए करोंद तरफ से एयरपोर्ट रोड जा रही थी।

तभी बस ने बेटी के मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी। बेटी बस के अगले पहिये के नीचे आ गई। इससे वह सड़क पर ही बेसुध हो गई। तभी वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने अपनी कार से बेटी को अस्पताल पहुंचाया। इसी बीच परिचित से हमे हादसे की सूचना मिली।

भाई को भी चोट आई

नजीर ने बताया कि बेटे अयान को मामूली चोट आई हैं। टक्कर लगते ही वह मोपेड से उछलकर दूर जा गिरा। इससे उसे मामूली चोट आई। जबकि बेटी पर बस का अगला पहिया चढ़ गया, उसकी छाती पहिये के नीचे फंस गई थी। इस कारण उसकी मौत हो गई। हादसे के समय बस तेज रफ्तार में थी। जिससे ड्राइवर बस पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद उसने बस को मौके पर ही छोड़ दिया और स्वयं थाने चला गया था।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

डीजीपी अशोक जुनेजा एक बार फिर सुर्खियों में

एक बार फिर सेवावृद्धि मिलने के संकेतों के बीच डीजीपी अशोक जुनेजा सुर्ख़ियों में हैं। अशोक जुनेजा 11 नवंबर 2021 से छत्तीसगढ़ के डीजीपी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। भूपेश बघेल की सरकार ने डीएम अवस्थी को हटाकर पहले उन्हें प्रभारी डीजीपी बनाया, फिर 10 महीने बाद पांच अगस्त 2022 से नियमित डीजीपी बना दिया। 60 साल की आयु पूर्ण करने के बाद अशोक जुनेजा को जून 2023 में रिटायर हो जाना चाहिए था, पर रेगुलर डीजीपी के दो साल के फार्मूले के आधार पर उनका कार्यकाल अगस्त 2024 तक मान लिया गया। अगस्त 2024 में रिटायर होने की जगह छह माह की सेवावृद्धि ले ली। यह अवधि भी चार फरवरी को समाप्त होने जा रही है। इस बीच उन्हें दोबारा सेवावृद्धि मिलने की खबरें उड़ने लगी हैं। लोगों को ऐसा लगने लगा है कि अशोक जुनेजा डीजीपी के पद का पट्टा लिखवाकर ले आए हैं। चर्चा है कि अशोक जुनेजा की दिल्ली में तगड़ी जुगाड़ से डीजीपी के दावेदारों ने हथियार डाल दिया है। लोग कहने लगे हैं कि भाजपा की सरकार भी नए डीजीपी को लेकर अब ज्यादा उत्सुक नहीं है। वह दिल्ली के इशारे के इंतजार में है। नए डीजीपी को लेकर सरकार कुछ महीने पहले तक काफी एक्टिव दिखी,पर लगता है कि संघ लोक सेवा आयोग से बार-बार पैनल वापस आने से सरकार का उत्साह भी ठंडा पड़ गया। राज्य सरकार चाहे तो किसी को प्रभारी डीजीपी बना सकती है। यह उसकी इच्छा शक्ति पर निर्भर करेगा। अब लोगों को अशोक जुनेजा या कोई और, इसका इंतजार है।

मंत्री का कच्चा-चिट्ठा दिल्ली के सुपुर्द

कहते हैं भाजपा के ही कुछ लोगों ने छत्तीसगढ़ के एक मंत्री का कच्चा-चिट्ठा दस्तावेजों के साथ हाईकमान को दिल्ली भेज दिया है। चर्चा चल पड़ी है कि फ़रवरी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद मंत्री जी को संगठन में भेज दिया जाएगा और मंत्रिमंडल से छुट्टी हो जाएगी। हाईकमान ने बृजमोहन अग्रवाल को सांसद का चुनाव लड़वाकर मंत्रिमडल से बाय-बाय कर दिया। भाजपा हाईकमान कब क्या खेल कर जाय कोई अंदाजा नहीं लगा सकता। मंत्री जी पहले भी संगठन में रह चुके हैं। बताते हैं मंत्री जी एक सप्लायर के फेर में पड़कर बदनाम हो गए हैं। कहा जा रहा है कि मंत्री जी सप्लायर के माध्यम से ही सारा खेल करते हैं, यह पार्टी के लोगों को नहीं भा रहा है। खबर है कि मंत्री जी की डिमांड काफी लंबी-चौड़ी हो गई है। मिल बांटकर चलने की जगह अपनी जेब भरने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं। देखते रहिये समय और समय की धार को।

कलेक्टर से परेशान विधायक

कहते हैं सरगुजा संभाग के एक जिले के विधायक अपने जिले के कलेक्टर से बड़े परेशान हैं। कलेक्टर को जिले में पदस्थ हुए सालभर ही हुआ है। सालभर में ही विधायकों को कलेक्टर ने पानी पिला दिया है। बताते हैं जिले में कुल चार विधायक हैं और चारों ही परेशान हैं। विधायकों ने अपना दुखड़ा सरकार के पास रो चुके हैं, पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि कलेक्टर साहब ने ऊपर मजबूत खूटा पकड़ रखा है और अपनी छवि पाक-साफ़ बना कर रखी है। खबर है कि कलेक्टर साहब ने दफ्तर में बजरंगबली जी का मंदिर भी बनवा दिया है। कलेक्टर साहब से विधायक ही खफा नहीं हैं। जिला मुख्यालय के इक्के-दुक्के पत्रकारों को छोड़कर बाकी ने कलेक्टर साहब का बहिष्कार कर रखा है।

कलेक्टर साहब की पत्नी का रौब

एक कहावत है 'सैयां भये कोतवाल, अब डर काहे का।' ऐसा ही कुछ बस्तर संभाग के एक जिला मुख्यालय में इन दिनों गूंज रहा है। बताते हैं जिले के कलेक्टर साहब की पत्नी एक सरकारी अस्पताल में डाक्टर हैं। मैडम साहिबा हैं तो जूनियर, पर कलेक्टर की पत्नी होने का रौब-दाब, ऐसा कि सीनियर भी उनसे डरते हैं। चर्चा है कि अस्पताल में वे मुखिया की भूमिका में रहती हैं। अब कलेक्टर साहब की पत्नी हैं तो कौन उनसे पंगा ले। सरकारी अस्पताल के डाक्टर कलेक्टर के मातहत ही होते हैं। कहा जाता है कि कलेक्टर साहब जिस जिले की कमान संभालते हैं, वहां के अस्पताल में अपनी पत्नी की पोस्टिंग करवा लेते हैं।

सुब्रत साहू के लिए पिघला दिल

कहा जा रहा है अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू के लिए साय सरकार का दिल पिघल गया है। भाजपा की सरकार ने ही एक साल पहले प्रशासन अकादमी का महानिदेशक के साथ धार्मिक-धर्मस्व विभाग देकर प्रशासन की मुख्य धारा से किनारे कर दिया था। अब उन्हें सहकारिता विभाग देकर कुछ कद बढ़ा दिया है। सहकारिता कोई बहुत बड़ा विभाग नहीं है। इस विभाग में अभी एक सचिव हैं। सचिव के ऊपर अपर मुख्य सचिव की पदस्थापना के मायने लोग तलाश रहे हैं। वैसे धार्मिक-धर्मस्व विभाग में भी एक सचिव पदस्थ हैं। सहकारिता विभाग में पदस्थापना के बाद चर्चा होने लगी है कि क्या सुब्रत साहू के अच्छे दिन लौटने वाले हैं ? मुख्य सचिव अमिताभ जैन के बाद वरिष्ठताक्रम में सुब्रत साहू तीसरे नंबर पर हैं। सुब्रत साहू से वरिष्ठ रेणु पिल्लै हैं। अमिताभ जैन इस साल जून में रिटायर होने वाले हैं, पर उनका मुख्य सूचना आयुक्त में नाम चल रहा है, ऐसे में वे समय से पहले रिटायरमेंट ले सकते हैं।

पीडब्ल्यूडी में मनमर्जी राज

कहते हैं कि लोक निर्माण विभाग के एक रिटायर्ड मुख्य अभियंता को संविदा नियुक्ति देने के लिए नियमों को ताक पर रख दिया गया। विभाग ने सहमति के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को फाइल भेजी, तो जीएडी ने अनुमति देने के बजाय कई आपत्तियां लगा दी। मुख्य अभियंता 31 दिसंबर को ही रिटायर हुए हैं। बताते हैं इनकी संविदा नियुक्ति से एक पद ब्लाक हो जाएगा। खबर है कि सब इंजीनियर के रूप में विभाग में भर्ती यह अधिकारी अच्छी गोपनीय चरित्रावली के आधार पर कई लोगों की वरिष्ठता को लांघकर अधीक्षण अभियंता बन गए थे। कुछ महीने पहले पदोन्नत होकर मुख्य अभियंता बन गए थे,जबकि इनसे कुछ वरिष्ठ पदोन्नति के इंतजार में हैं। इनको गुपचुप संविदा नियुक्ति देने के खिलाफ कुछ इंजीनियरों ने आवाज भी उठानी शुरू कर दी है। फिलहाल तो जीएडी के रोड़े से मामला लटक गया है।

आईएफएस अफसर की शिकायत सीवीसी में

चर्चा है कि राज्य के एक आईएफएस अधिकारी के खिलाफ केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने शिकायत पंजीबद्ध कर जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीवीसी ने 14 जनवरी को मामला रजिस्टर्ड किया है। कहा जा रहा है कि वकील विजय मिश्रा की शिकायत पर सीवीसी ने मामला दर्ज किया है। विजय मिश्रा ने अफसर के खिलाफ भ्रष्टाचार और नियमों में हेरफेर की शिकायत की है। विजय मिश्रा ने आईएफएस के खिलाफ शिकायत वन विभाग के आला अफसरों और मुख्य सचिव से भी की है। अब देखते हैं क्या होता है,लेकिन इस शिकायत से वन विभाग सुर्ख़ियों में आ गया है।

निगम चुनाव की गर्मी शुरू

राज्य में स्थानीय निकायों में चुनाव की गर्मी दिखाई पड़ने लगी है। दावेदारों की कतार के बाद अब उम्मीदवारों की घोषणा भी शुरू हो गई है। उम्मीदवारों को घोषणा में भाजपा आगे रही, उसने पहले प्रत्याशियों की घोषणा शुरू की। नगर निगम और पालिकाओं में मेयर,अध्यक्ष और पार्षदों के चुनाव दलीय आधार पर होंगे। इस कारण संघर्ष दिखाई पड़ने लगा है तो राजनीति भी शुरू हो गई है। मेयर का चुनाव जनता के माध्यम से होने के कारण दिलचस्पी कुछ ज्यादा ही नजर आ रही है। पहली बार राज्य में नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव एक साथ हो रहे हैं।